



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

CH  
29/1

सं० 3] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 18, 1986 (पौष 28, 1907)  
No. 3] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 18, 1986 (PAUSA 28, 1907)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### विषय सूची

	पृष्ठ		पृष्ठ
भाग I—खंड 1—भारत सरकार के मंत्रालयों (एखा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांखिक आदेशों के संबंध में अधिसूचनाएं	23	भाग II—खंड 3—उप-खंड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें एखा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांख्यिक नियमों और सांख्यिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिस्से में प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राष्ट्रपति के खंड 3 या खंड 4 में प्रकाशित होते हैं)	—
भाग I—खंड 2—भारत सरकार के मंत्रालयों (एखा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी की गयी सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं	57	भाग II—खंड 4—एखा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांख्यिक नियम और आदेश	—
भाग I—खंड 3—एखा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांखिक आदेशों के संबंध में अधिसूचनाएं	—	भाग III—खंड 1—उच्चतम न्यायालय, महादेवा करीब, संघ लोक सेवा आयोग, रेलवे प्रशासनों, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के संघ और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	1955
भाग I—खंड 4—एखा मंत्रालय द्वारा जारी की गयी सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं	31	भाग III—खंड 2—वैदेशी कागजात, कलकत्ता द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं और नोटिस	29
भाग II—खंड I—अधिनियम, अध्यादेश और विधियम	—	भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन कचरा द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं	—
भाग II—खंड 1—अ—अधिनियमों, अध्यादेशों और विधियों का हिस्सा भाग में प्राधिकृत पाठ	—	भाग III—खंड 4—विभिन्न अधिसूचनाएं जिनमें सांख्यिक निकायों द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	17
भाग II—खंड 2—विशेष तथा विशेषों पर प्रवर समितियों के लिए तथा रिपोर्टें	—	भाग IV—नौट-सहायकी व्यक्ति और नौट-सहायकी निकायों द्वारा विज्ञापन और नोटिस	7
भाग II—खंड 3—उप-खंड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (एखा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांख्यिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं)	—	भाग V—बंदेबी जीप हिस्से दोहों में अगम और मृत्यु के आदेशों को विचारने वाला अधिसूचना	—
भाग II—खंड 3—उप-खंड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (एखा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांख्यिक आदेश और अधिसूचनाएं	—		

मिथुन संख्या प्राप्त नहीं हुई।

## CONTENTS

	PAGES		PAGES
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) ..	23	PART II—SECTION 3—Sub-Sec. (ii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) on General Statutory Rules & Statutory Orders (including bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administrations of Union Territories) ..	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) ..	57	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence ..	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence ..	—	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the Supreme Court, Auditor General, Union Public Service Commission, Railways Administrations, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India? ..	1955
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence ..	31	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta ..	29
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations ..	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners ..	—
PART II—SECTION 1-A—Authoritative text in the Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations ..	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies ..	17
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills ..	*	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies ..	7
PART II—SECTION 3—Sub-Sec. (i)—General Statutory Rules (including orders, bye-laws, etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..	*	PART V—Supplement showing statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi ..	*
PART II—SECTION 3—Sub-Sec. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..	*		

## भाग I—खण्ड 1

## [PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं  
[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and the Supreme Court]

इलेक्ट्रानिकी विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 1 जनवरी 1986

सं० 23(20)/अविध (ई० सी०)—भारत सरकार ने विदेशी सह-भागिता के संदर्भ में रंगीन दूरदर्शन रिसेवरों और श्याम तथा श्वेत दूरदर्शन रिसेवरों के विनिर्माण के लिए औद्योगिक लाइसेंसिंग और प्रौद्योगिकी विषयक नीति की समीक्षा की है। इस उद्देश्य से, राष्ट्रपति जी ने निम्नलिखित आशोधन करने का निर्णय किया है, जो तत्काल प्रभावी होगा :—

- वर्तमान नीति के अन्तर्गत उद्योग के सभी क्षेत्रों को इस उद्योग में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया था। किन्तु विदेशी साम्या-पूँजी (इक्विटी) वाली कम्पनियों को श्याम तथा श्वेत एवं रंगीन दूरदर्शन सेटों का विनिर्माण करने की अनुमति नहीं दी गई थी। अब यह निर्णय किया गया है कि विदेशी साम्या-पूँजी (इक्विटी) वाली उन कम्पनियों को, जिनकी विदेशी साम्या-पूँजी (इक्विटी) 40 प्रतिशत से अधिक नहीं है उन्हें इस उद्योग में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी। किन्तु, इन कंपनियों को, उनकी यूनिट के द्वारा उत्पादन आरम्भ करने की तिथि से पांच वर्ष के लिए अपने उत्पादन के काम से कम 25 प्रतिशत भाग की आपूर्ति किट के रूप में लघु-उद्योग की यूनिटों को करनी होगी। इसके अनुरिक्त यह भी स्पष्ट किया जाता है कि श्याम तथा श्वेत और रंगीन दूरदर्शन सेटों के विनिर्माण और बिजली में कोई विदेशी ब्रांड नाम की अनुमति नहीं दी जाएगी।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को एक प्रतिलिपि निम्नलिखित को भेजी जाये :—

- राष्ट्रपति का सचिवालय
- प्रधान मंत्री का कार्यालय
- मंत्रिमंडल सचिवालय
- भारत सरकार के सभी मंत्रालय/विभाग
- भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक
- सभी राज्य सरकारों व संघ प्रासित प्रदेशों के मुख्य सचिव
- अध्यक्ष, केन्द्रीय उत्पादन और सीमाशुल्क बोर्ड
- मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात
- तकनीकी विकास महानिदेशालय
- भारतीय राजदूतावासों के विज्ञान परामर्शदाता
- विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रानिकी राज्य मंत्री
- अध्यक्ष, इलेक्ट्रानिकी आयोग

13. सचिव, इलेक्ट्रानिकी विभाग

14. इलेक्ट्रानिकी विभाग के सभी प्रभाग/अनुभाग

यह भी आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प ग्राम सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

भा० ना० भागवत, संयुक्त सचिव

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर 1985

संकल्प ]

विषय : केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर में परामर्शदात्री समिति का गठन

सं० 8-14/85 डी-11 (भाषा)—केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान मैसूर को उसके कार्यक्रम और परियोजनाएं बनाने में सहाय्य देने और सहायता करने के लिए एक परामर्शदात्री समिति का गठन करने के बारे में भारत के राजपत्र में छपे संकल्प संख्या एफ 8-14/85-डी-11/ (भाषा), दिनांक 15 फरवरी 1985 का आंशिक संशोधन करते हुए भारत सरकार एतद द्वारा समिति की संरचना और इसके कार्यकाल को निम्न प्रकार से संशोधित करती है :

गठन

- |   |         |
|---|---------|
| 1. शिक्षा तथा संस्कृति राज्य मंत्री   | अध्यक्ष |
| 2. प्रो० बी० आर्डी० सुब्रमणियम<br>कुलपति, तमिल विश्वविद्यालय,<br>तंजावुर, तमिलनाडु  | सदस्य   |
| 3. प्रो० अम्बुन अजीम,<br>प्रोफेसर एवं अध्यक्ष,<br>भाषा विज्ञान विभाग,<br>अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय,<br>अलीगढ़-202001 (उ० प्र०) | सदस्य   |
| 4. प्रो० एम० के० दाम<br>आधुनिक भारतीय भाषा विभाग,<br>दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।  | सदस्य   |
| 5. प्रो० अनन्तराव राव,<br>2, श्री सदमा सोसायटी,<br>नवरंगपुर, अहमदाबाद,<br>गुजरात-380009.  | सदस्य   |

6. श्री एन० वी० कृष्ण वारियर, सदस्य  
प्रधान सम्पादक,  
कुंकुम बीकली, तेवली  
क्विलोन-691009
7. डा० आर०के० मोहन्ता, सदस्य  
प्रमुख, भाषा विज्ञान विभाग,  
गोहाटी विश्वविद्यालय  
गोहाटी।
8. डा० आर०के० शर्मा, सदस्य  
कुलपति,  
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय  
वाराणसी।
9. डा० बी०जी० मिश्र, सदस्य  
निदेशक,  
केन्द्रीय हिन्दी संस्थान,  
आगरा-5
10. श्री जे० श्रीराधवन, सदस्य  
सलाहकार (शिक्षा)  
योजना आयोग,  
नई दिल्ली-110001
11. निदेशक (भाषाएं) पदेन-सदस्य  
मानव संसाधन विकास मंत्रालय  
(शिक्षा विभाग)
12. संयुक्त सचिव (आदिवासी), पदेन सदस्य  
गृह मंत्रालय
13. वित्त सलाहकार पदेन सदस्य  
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
14. डा० फहमिदा बेगम, पदेन सदस्य  
निदेशक, उर्दू प्रोन्नति ब्यूरो
15. निदेशक, केन्द्रीय भारतीय सदस्य-सचिव  
भाषा संस्थान, मैसूर।

## कार्यकाल :

1. समिति के गैर-सरकारी सदस्यों का कार्यकाल उनकी नियुक्ति की तारीख से 3 वर्ष का होगा।

2. समिति के सरकारी सदस्य तब तक सदस्य बने रहेंगे जब तक वे उस पद को धारण करते हैं जिस पद के आधार पर वे समिति के सदस्य हैं।

3. यदि किसी सदस्य के त्याग पत्र अथवा मृत्यु के कारण कोई स्थान रिक्त होता है तो उस पद पर नियुक्त व्यक्ति 3 वर्ष के कार्यकाल के शेष समय तक पद धारण करेगा।

## विचारार्थ विषय :

- ( I ) केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान को इसके कार्यक्रम और परि-योजनाएं बनाने में सलाह देना।
- (II) भाषाओं के शिक्षण, भाषा विज्ञान सम्बन्धी अनुसंधान, शिक्षण सामग्री तैयार करना, पत्राचार पाठ्यक्रम आदि से सम्बन्धित मामलों में भारतीय भाषा संस्थान को सलाह देना।
- (III) केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान द्वारा तैयार किए गए शैक्षणिक कार्यक्रमों की वार्षिक समीक्षा करना।
- (IV) केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान द्वारा प्रति वर्ष आयोजित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के लिए प्राथमिकता निर्धारित करना।

(V) भारत और विदेशों में सकाया सम्बन्धी सुधार और वृत्ति उन्नति के लिए उपाय सुझाना।

(VI) जनजातीय और सीमान्त भाषाओं की प्रोन्नति और विकास से सम्बन्धित मामलों में केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान को सलाह देना।

(VII) केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान द्वारा जलाई गई जाणू परि-योजनाओं की समीक्षा करना।

## बठक :

समिति की बैठक वर्ष में कम से कम एक बार अवश्य होगी। तथापि अध्यक्ष जब आवश्यक समझे बैठक बुला सकते हैं।

## आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रतिलिपि निदेशक, केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मानस-गंगोत्री मैसूर, सभी राज्य सरकारों, संघ शासित प्रशासनों, प्रधान मंत्री सचिवालय, नई दिल्ली, संसदीय कार्य मंत्रालय, संसद भवन, नई दिल्ली, लोक सभा-सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, योजना आयोग, राष्ट्रपति सचिवालय और भारत सरकार के सभी मंत्रालयों और विभागों को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि सामान्य सूचना के लिए यह संकल्प भारत के राजपत्र में भी प्रकाशित किया जाए।

पी० के० मल्लोत्रा, महायुक्त शिक्षा सलाहकार (डेस्क-IV/भाषा)

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1985

## संकल्प

सं० 11013/1/85-हिन्दी—पेट्रोलियम मंत्रालय के दिनांक 10 सितम्बर, 1985 के समसूचक सफल के क्रम में, भारत सरकार ने श्री राम अवतार गुप्ता, संपादक "सन्मार्ग", 160 सी, चितरंजन, ऐन्स्यू, कलकत्ता-700007 को एन० द्वारा पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति के गैर-सरकारी सदस्य के रूप में नियुक्त करने का निर्णय लिया है।

2. दिनांक 10 सितम्बर, 1985 के संकल्प में निम्नलिखित संशोधन किया जाता है :—

(I) क्रम संख्या 32 तथा 41 निरस्त किये जाते हैं।

(II) अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक, बीको लारी लिमिटेड, पी-54 हाइड रोड एक्सटेंशन, कलकत्ता को सरकारी सदस्य के रूप में समिति का सदस्य नामित किया जाता है।

आदेश दिया जाता है कि इस प्रस्ताव की प्रति सभी राज्य सरकारों और संघ राज्य प्रदेशों के प्रणामकों, प्रधानमंत्री कार्यालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, संसद कार्य मंत्रालय, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, योजना आयोग, राष्ट्रपति सचिवालय, भारत के महासंस्थापक, महासंस्थापक केन्द्रीय राज्य और भारत सरकार के सभी मंत्रालयों तथा विभागों को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि संकल्प को सर्वसाधारण की जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

टी०एन०आर० राव, संयुक्त सचिव

परिवहन मंत्रालय

रेल विभाग

(रेलवे बोर्ड)

नियम

नई दिल्ली, दिनांक 18 जनवरी 1986

सं० 85-ई० (जी०आर०) I/1/14—यांत्रिक इंजीनियरों को भारतीय रेल सेवा में विशेष श्रेणी अप्रेंटिसेज के रूप में नियुक्ति के लिए उम्मीदवारों का चयन करने के उद्देश्य से संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 1986 में की जाने वाली प्रतियोगी परीक्षा के नियम ग्राम जानकारी के लिए प्रकाशित किए जाते हैं।

2 परीक्षा परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या का उल्लेख आयोग द्वारा जारी किए जाने वाले नोटिस में किया जाएगा। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के संबंध में रिक्तियों का आरक्षण भारत सरकार द्वारा नियत संख्या में किया जाएगा।

3. संघ लोक सेवा आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट 1 में निर्धारित ढंग से ली जाएगी।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

4. उम्मीदवार के लिए आवश्यक होगा कि वह या तो—

(क) भारत का नागरिक होना चाहिए, या

(ख) नेपाल की प्रजा, या

(ग) भूटान की प्रजा, या

(घ) ऐश्या तिब्बती शरणार्थी जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पहली जनवरी, 1982 से पहले भारत आ गया हो, या

(ङ) कोई भारत मूल का व्यक्ति जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, और कीनिया, उगांडा तथा तंजानिया संयुक्त गणराज्य, भूतपूर्व टंगानिका और जंजीबार पूर्वी अफ्रीकी देशों से या जॉर्जिया, मलावी, जैरे, इथियोपिया और वियतनाम से आया हो।

परन्तु (ख), (ग), (घ) और (ङ) वर्गों के अंतर्गत आने वाले उम्मीदवारों के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पात्रता (एलिजिबिलिटी) प्रमाण-पत्र होना चाहिए।

ऐसे उम्मीदवारों को भी उक्त परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है जिसके बारे में पात्रता प्रमाण-पत्र प्राप्त करना आवश्यक हो किन्तु उसको नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा उस सम्बंध में पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिए जाने के बाद ही भरा जा सकता है।

5 (क) उम्मीदवार के लिए आवश्यक है कि उसकी आयु 1 जनवरी 1986 को 16 वर्ष हो चुकी हो लेकिन 20 वर्ष न हुई हो अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1966 से पहले और 1 जनवरी, 1970 के बाद का न हो।

(ख) ऊपर बताई गई अधिकतम आयु सीमा में निम्नलिखित मामलों में छील दी जा सकती है :—

(1) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष।

(2) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।

(3) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या किसी अनुसूचित जनजाति का हो तथा भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति भी हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

(4) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से वास्तविक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो और अक्टूबर 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रव्रजन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष।

(5) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का हो और श्रीलंका से वास्तविक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तथा अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रव्रजन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष।

(6) यदि उम्मीदवार बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष।

(7) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो तथा उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

(8) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से मुक्त किए गए ऐसे रक्षा कर्मियों को अधिक से अधिक तीन वर्ष।

- (9) किसी दूसरे देश के साथ संधि में या किसी अशांतिप्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फल-स्वरूप सेवा से निर्मुक्त किए गए ऐसे रक्षा कर्मियों के लिए, जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के हों, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।
- (10) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मृतः भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पारपत्र हो) और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपातकाल का प्रमाण-पत्र है, और जो वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है, तो उनके लिए अधिक से अधिक तीन वर्ष।
- (11) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और वियतनाम से वस्तुतः प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो (जिसके पास भारतीय पारपत्र हो) और ऐसा भी उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपातकाल का प्रमाण-पत्र हो और जो वियतनाम से जुलाई, 1975 के बाद भारत आया हो तो उसके लिए अधिक से अधिक आठ वर्ष तक।
- (12) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने कीनिया, उगांडा और तंजानिया के संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टंगानिका और जंजीबार) से प्रव्रजन किया हो या आम्बिया, मालावी, जेरे और इथियोपिया से प्रत्यावर्तित हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक।
- (13) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और भारत मूलक वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति हो और कीनिया, उगांडा या तंजानिया संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टंगानिका और जंजीबार) से प्रवासित हो या आम्बिया, मालावी, जेरे और इथियोपिया से भारत मूलक प्रत्यावर्तित व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।
- (14) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपात-कालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 जनवरी, 1986 को कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो (i) कदाचार या या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्य मुक्त हुए हैं (इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 जनवरी, 1986 से छः महीने के अंदर पूरा होना है), (ii) या सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अपंगता या (iii) अक्षमता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं उनके मामले में अधिक से अधिक पांच वर्ष तक।
- (15) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशनप्राप्त अधिकारियों (आपात-कालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 जनवरी, 1986 को कम से कम पांच वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो (i) कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं (इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 जनवरी, 1986 से छः महीनों के अंदर पूरा होना है) या (ii) सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अपंगता या (iii) अक्षमता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं तथा जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के हैं उनके मामले में अधिक से अधिक दस वर्ष तक।
- (16) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पश्चिम पाकिस्तान का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है जो पहली जनवरी, 1971 और 31

मार्च, 1973 की अवधि के दौरान भारत प्रव्रजन कर चुका था तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक।

- (17) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का है और भूतपूर्व पश्चिम पाकिस्तान का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति भी है जो पहली जनवरी, 1971 और 31 मार्च, 1973 की अवधि के दौरान भारत प्रव्रजन कर चुका था तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक।

उपर्युक्त व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी भी स्थिति में निर्धारित आयु-सीमा में छूट नहीं दी जा सकती है।

- (18) यदि कोई उम्मीदवार पहली जनवरी, 1980 से 15 अगस्त, 1985 तक की अवधि के दौरान साधारणतः असम राज्य में रहा हो, तो अधिक से अधिक 6 वर्ष तक।

- (19) यदि कोई उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जन जाति का हो और पहली जनवरी, 1980 से 15 अगस्त, 1985 तक की अवधि के दौरान साधारणतः असम राज्य में रहा हो, तो अधिक से अधिक ग्यारह वर्ष तक।

टिप्पणी:—भूतपूर्व सैनिक जिन्होंने अपने पुनः रोजगार हेतु भूतपूर्व सैनिकों को दिए जाने वाले साधनों को लेने के बाध सिविल क्षेत्र में सरकारी नौकरी पहले ही ले ली है, वे नियमावली के नियम 5(ख) (14) और 5 (ख) (15) के अधीन आयु सीमा में छूट लिए के पात्र नहीं हैं।

#### 6. उम्मीदवार ने—

- (क) भारत सरकार द्वारा अनुमोदित किसी विश्वविद्यालय या बोर्ड की इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा गणित के साथ और भौतिकी और रसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय लेकर प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो;

- (ख) स्कूली शिक्षा की 10+2 प्रणाली के अंतर्गत हायर सेकेंडरी (12 वर्ष) परीक्षा गणित के साथ और भौतिकी तथा रसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय लेकर प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो; या

- (ग) किसी विश्वविद्यालय के तीन वर्ष के डिग्री पाठ्यक्रम के अंतर्गत प्रथम वर्ष की परीक्षा या प्रामाण्य उच्चतर शिक्षा की राष्ट्रीय परिषद् की प्रामाण्य सेवाओं में तीन वर्ष के डिप्लोमा पाठ्यक्रम की प्रथम परीक्षा पास की हो या मद्रास विश्वविद्यालय (सांख्यिक कालेज) के स्नातक कला विज्ञान के चार-वर्षीय पाठ्यक्रम के चौथे वर्ष में प्रोन्नति के लिए तीसरे वर्ष की परीक्षा पास की हो जिसमें गणित के साथ भौतिकी और रसायन विज्ञान में कम से कम एक विषय रहा हो, लेकिन शर्त यह है कि डिग्री/डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू करने से पहले उसने उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या पूर्व विश्वविद्यालय या समकक्ष परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो।

जिन उम्मीदवारों के तीन वर्षीय पाठ्यक्रम के अंतर्गत प्रथम/द्वितीय वर्ष की परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में गणित के साथ और भौतिकी और रसायन विज्ञान में से एक विषय के साथ पास की हो वे आवेदन-पत्र भेज सकते हैं, लेकिन शर्त यह है कि प्रथम और द्वितीय वर्ष की परीक्षा किसी विश्वविद्यालय द्वारा ली गई हो; या

- (घ) भारत सरकार द्वारा अनुमोदित किसी विश्वविद्यालय की पूर्ण हजोतियरी परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो; या

- (ङ) किसी भारतीय विश्वविद्यालय या माध्यम प्रांत बोर्ड की पूर्ण व्यावसायिक/पूर्व तकनीकी परीक्षा जो उच्चतर माध्यमिक या पूर्व विश्वविद्यालय स्तर के एक वर्ष के बाध ली गई हो प्रथम

या द्वितीय श्रेणी में पास की हो और परीक्षा के विषयों में गणित के साथ भौतिकी और रसायन विज्ञान में कम से कम एक परीक्षा का विषय रहा हो; या

(ब) किसी विश्वविद्यालय के पांच-वर्षीय इंजीनियरी डिग्री पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम वर्ष की परीक्षा पास की हो, लेकिन शर्त यह है कि डिग्री पाठ्यक्रम शुरू करने से पहले उसने उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या पुर्व विश्वविद्यालय या समकक्ष परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो।

जिन उम्मीदवारों ने पांच-वर्षीय इंजीनियरी डिग्री पाठ्यक्रम की प्रथम वर्ष की परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो वे भी आवेदन-पत्र भेज सकते हैं लेकिन शर्त यह है कि प्रथम वर्ष की परीक्षा विश्वविद्यालय द्वारा ली गई हो; या

(छ) केरल और कालीकट के विश्वविद्यालयों से गणित के साथ भौतिकी और रसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय लेकर पूर्व-स्नातक परीक्षा, प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो।

टिप्पणी (1)—जिन उम्मीदवारों की विश्वविद्यालयों/बोर्ड द्वारा इंटर-मीडिएट या उपर्युक्त किसी अन्य परीक्षा में कोई विशिष्ट श्रेणी न दी गई हो उन्हें भी शैक्षणिक दृष्टि से पात्र समझा जाएगा लेकिन शर्त यह है कि उनके प्रार्थकों का कुल योग संबंधित विश्वविद्यालय/बोर्ड द्वारा निर्धारित प्रथम या द्वितीय श्रेणी के अंकों की सीमा में हो।

टिप्पणी (2)—कोई ऐसा उम्मीदवार जो कि ऐसी परीक्षा में बैठ चुका है जिसे पास करने से वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र बनता है लेकिन जिसके परीक्षाफल की सूचना उसे नहीं मिली है इस परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन पत्र भेज सकता है। यदि कोई उम्मीदवार किसी ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता है तो वह भी आवेदन पत्र भेज सकता है। ऐसे उम्मीदवार को यदि वह अन्यथा पात्र हो, तो परीक्षा में प्रवेश मिल जाएगा, लेकिन उसके प्रवेश को अंतिम समझा जाएगा और यदि वह उस परीक्षा को पास करने का प्रमाण यथासंभव शीघ्र और किसी भी हालत में 25 अगस्त, 1986 तक पेश नहीं करता तो उसके प्रवेश को रद्द कर दिया जाएगा।

टिप्पणी (3)—प्राप्याधिक मामलों में, आयोग किसी ऐसे उम्मीदवार को शैक्षणिक दृष्टि से अर्हक मान सकता है जिसके पास इस नियम में निर्धारित अर्हताओं में से कोई भी अर्हता न हो लेकिन ऐसी अर्हताएं हों, जिसके स्तर के बारे में आयोग का यह मत हो कि उनके आधार पर उसे परीक्षा में प्रवेश देना उचित है।

टिप्पणी (4)—जिन उम्मीदवारों के पास राज्य तकनीकी-शिक्षा-बोर्ड द्वारा दिए गए इंजीनियरी डिप्लोमा है वे स्पेशल क्लास रेलवे अप्रेंटिस परीक्षा में प्रवेश के पात्र नहीं हैं।

7. उम्मीदवार के लिए आवश्यक होगा कि वह आयोग के नोटिस के पैरा 8 में विनिर्दिष्ट फीस दे।

8. जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में प्राकृतिक या वैज्ञानिक वर्ग कर्मचारी से इतर स्थाई या अस्थायी हैसियत से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हैसियत से काम कर रहे हैं अथवा जो लोक उद्यमों के अधीन सेवारत हैं, उन्हें यह परिचर्न (चेंजर-टेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोजता से उनके उचित परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने

से सम्बद्ध अनुमति गोकले हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन पत्र अस्वीकृत/उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

9. परीक्षा में प्रवेश के लिए कोई उम्मीदवार पात्र है या नहीं, इस संबंध में आयोग का निर्णय अंतिम होगा।

10. जब तक किसी उम्मीदवार के पास आयोग से प्राप्त प्रवेश प्रमाण-पत्र नहीं होगा तब तक उसी परीक्षा में नहीं बैठने दिया जाएगा।

11. जो उम्मीदवार आयोग द्वारा निर्मांकित कक्षावार का बोधी बोधित होता है या हो चुका है :—

- (1) किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना; या
- (2) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना; या
- (3) अपने स्थान पर किसी दूसरे को प्रस्तुत करना; या
- (4) जाली प्रलेख या फेर-बदल किए गए प्रलेख प्रस्तुत करना; या
- (5) भ्रष्ट या भ्रमर्य वक्तव्य देना या महत्वपूर्ण सूचना को छिपा कर रखना; या
- (6) परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के संबंध में किसी अनियमित या अनुचित लाभ उठाने का प्रयास करना; या
- (7) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाने हों; या
- (8) उत्तर पुस्तिका(ओं) पर असंगत बातें लिखीं हों जो अप्रशंस्य भाषा या अभद्र भाषा की हों; या
- (9) परीक्षा कबन में और किसी प्रकार का दुर्यवहार किया हो; या
- (10) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो; या
- (11) परीक्षा की अनुमति देते हुए उम्मीदवारों को भेजे गए प्रमाण-पत्रों के साथ जारी अनुदेशों का उल्लंघन किया हो; अथवा
- (12) उपर्युक्त वाक्यांशों में निर्धारित सभी या कोई भी कृत्य करने का प्रयास करने या उसे प्रवर्तित करने, जैसा भी मामला हो, का बोधी हो या आयोग द्वारा बोधी बोधित किया गया हो तो उसके विरुद्ध आपराधिक अभियोग चलाए जाने के प्रतिरिक्त निम्नलिखित कार्यवाही भी की जा सकती है :—

(क) आयोग द्वारा उसे उस परीक्षा के लिए जिसका वह उम्मीदवार है, अनर्हक घोषित किया जा सकता है; या

(ख) उसे स्थायी रूप से या विनिर्दिष्ट अवधि के लिए निम्न-लिखित से विवर्जित किया जा सकता है :—

- (1) आयोग द्वारा स्व-आयोजित परीक्षा या कबन से;
- (2) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी नौकरी से; और

(ग) यदि वह पहले से ही सरकारी नौकरी में हो तो उपर्युक्त नियमों के अधीन उसके विरुद्ध अनुशासन की कार्यवाही की जा सकती है।

किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक :—

- (1) उम्मीदवार को इस सम्बन्ध में लिखित अभ्यावेदन जो; वह देना चाहे, प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो; और
- (2) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर, यदि कोई हो, विचार न कर लिया गया हो।

12. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में अपने न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेते हैं, जितने आयोग स्वीकृत से निर्धारित करे, उन्हें आयोग अतिरिक्त परीक्षा हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाएगा।

किन्तु यदि आयोग की राय में अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों को उनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के उद्देश्य से सामान्य स्तर के आधार पर पर्याप्त संख्या में साक्षात्कार के लिए बुलाना सम्भव न हो तो आयोग द्वारा उन्हें निर्धारित स्तर में छूट दी जा सकती है।

13. परीक्षा के बाद आयोग द्वारा उम्मीदवार को अंतिम रूप से दिए गए कुल अंकों के अनुसार योग्यता के आधार पर उम्मीदवारों की एक सूची बनाएगा और उसी क्रम में से उन उम्मीदवारों को, जिन्हें आयोग परीक्षा में ग्रहण करेगा, उतनी आरक्षित रिक्तियों पर नियुक्ति के लिए सिफारिश की जाएगी जितनी रिक्तियों की परीक्षा परिणाम के आधार पर भरने का निर्णय किया गया हो।

परन्तु अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित जितनी रिक्तियाँ सामान्य स्तर के आधार पर भरने से रह जाएँ, उन्हें भरने के लिए आयोग, सामान्य स्तर को शिथिल करके, अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति में उम्मीदवारों की सिफारिश कर सकता है। पहले ही परीक्षा में योग्यताक्रम के अनुसार उनका स्थान कहीं भी हो बशर्ते वे सेवा में नियुक्ति के योग्य हों।

14. प्रत्येक उम्मीदवार का परीक्षाफल किस रूप में और किस ढंग से भेजा जाए, इस बात का निर्णय आयोग स्वावधिकार से करेगा और परिणाम के संबंध में आयोग उम्मीदवारों से कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

में सा ल होने से तब तक नियुक्ति का अधिकार नहीं जाता जब तक सरकार आवश्यक जांच पताल के बाद इस बात से संतुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार उसके चरित्र और पूर्ण को ध्यान में रखते हुए सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए संधा उपयुक्त हो।

16 उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए। और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो सम्मानित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्य को श्रद्धालु पूर्वक निभाने में बाधक हो। यदि लिखित डाक्टरी परीक्षा से सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा निर्धारित की जाए, या सम्पत्ति के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में यह ज्ञात हुआ कि इन शर्तों को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी।

परीक्षा के लिखित भाग के आधार पर जो उम्मीदवार साक्षात्कार के लिए प्रवृत्तता प्राप्त कर लेते हैं उनकी डाक्टरी जांच साक्षात्कार की तारीख के तुरन्त बाद घाने वाले कार्य दिवस को की जायेगी (दूसरे शनिवार को छोड़कर रविवार और छुट्टियों वाले दिन डाक्टरी जांच नहीं होगी)। इस प्रयोजन के लिए सभी सफल उम्मीदवारों को प्रातः 9.00 बजे, प्रतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी, केन्द्रीय अस्पताल, उत्तरी रेलवे बसपार्क क्षेत्र, नई दिल्ली पर उपस्थित होना पड़ेगा। यदि उम्मीदवार चरमा लगाते हैं तो उन्हें हाल ही के चरमे के नंबर के साथ मेडिकल बोर्ड के सामने उपस्थित होना चाहिए।

डाक्टरी जांच की तारीख या स्थान परिवर्तन का अनुरोध सामान्यता स्वीकार नहीं किया जायेगा।

उम्मीदवारों को यह नोट कर लेना चाहिए कि किसी भी हालत में डाक्टरी जांच से छूट के अनुरोध पर विचार नहीं किया जायेगा।

उम्मीदवार यह भी नोट कर कि :-

- (1) उनको (सोलह रुपये) ₹ 16/- की नकद राशि मेडिकल बोर्ड को भुगतान करनी होगी ;
- (2) डाक्टरी जांच के सम्बन्ध में की गई याज्ञाओं के लिये उम्मीदवारों को कोई याज्ञा भत्ता नहीं दिया जाएगा; और
- (3) उम्मीदवार को डाक्टरी जांच हो जाने का अर्थ यह नहीं होगा कि नियुक्ति के लिए उसके मामले पर विचार किया ही जायेगा।

उम्मीदवार यह नोट कर लें कि उनको परिवहन मंत्रालय, रेल विभाग (रेलवे बोर्ड) द्वारा डाक्टरी जांच से संबंधित भ्रम से कोई सूचना नहीं भेजी जायेगी।

टिप्पणी:—उम्मीदवारों को किसी प्रकार की निराशा न हो, इसके लिए उन्हें सलाह दी जाती है कि परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन करने से पहले सिविल सर्जन स्तर के किसी सरकारी चिकित्सा अधिकारी से परीक्षा करा लें। नियुक्ति से पहले उम्मीदवारों को किसी प्रकार की डाक्टरी परीक्षा होगी और इस में उनसे किस स्तर की प्रवेश की जाएगी, इसका ब्यौरा इन नियमों के परिशिष्ट I में दिया गया है। अपाहिज भूतपूर्व सैनिक कर्मचारियों के सम्बन्ध में प्रत्येक सेवा की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इन मानकों से छूट दी जाएगी।

17. कोई भी व्यक्ति,

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से विवाह किया हो प्रथवा विवाह करने की संविदा की हो, जिसकी एक पत्नी/जिसका एक पति जीवित हो प्रथवा।

(ख) जिसने एक पति/पति के रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो प्रथवा विवाह करने की संविदा की हो।

सेवा में नियुक्त के लिए पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो कि ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाली स्वीय विधि के अन्तर्गत इस प्रकार का विवाह अनुमत्त है और ऐसा करने के अन्य कारण हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।

18. इस परीक्षा के माध्यम से चयन किए गए विशेष श्रेणी अभ्यर्थियों के लिए अभ्यर्थी की शर्त परिशिष्ट—III में दी गई है। यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा से संबंधित संक्षिप्त विवरण भी परिशिष्ट—IV में दिए गए हैं।

ए० एन० वाग्नु, सचिव, रेलवे बोर्ड

परिशिष्ट—I

(देखिए नियम 3.)

परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार आयोजित की जाएगी:—

भाग 1—नीचे दर्शाए गए विषयों में अधिकतम 700 अंकों की लिखित परीक्षा।

भाग 2—व्यक्तित्व परीक्षण जिसमें अधिकतम अंक 200 होंगे (देखिए नियम 12)।

2. भाग 1 के अन्तर्गत लिखित परीक्षा के विषय प्रत्येक विषय प्रश्न-पत्र के लिए निर्धारित समय और अधिकतम अंक निम्नलिखित होंगे:—

क्रम सं०	विषय	काष्ठ सं०	निर्धारित समय	अधिकतम अंक
1.	अंग्रेजी	01	2 घंटे	100
2.	सामान्य विज्ञान	02	2 घंटे	100
3.	भौतिकी	03	2 घंटे	100
4.	रसायन विज्ञान	04	2 घंटे	100
5.	गणित I, (बीज गणित, प्रारम्भिक विस्तार कलन, त्रिकोणमिति और विश्लेष- गणितक ज्यामिति)	05	2 घंटे	100
6.	गणित II (कलन अन्तर तथा समाकलन और यांत्रिकी, स्थैतिकी तथा गतिकी)	06	2 घंटे	100
7.	मनोवैज्ञानिक परीक्षण	07	1 घंटा	100
योग				700



3. सभी विषयों के प्रश्न-पत्रों में केवल ("वस्तुपरक प्रश्न होंगे, नमूने के प्रश्नों सहित विवरण के लिए आयोग के नोटिस (अनुबन्ध-11) के साथ लगी उम्मीदवार "सूचना पुस्तिका" देखें। प्रश्न पत्र केवल अंग्रेजी ही होंगे।

4. प्रश्न-पत्र में जहाँ आवश्यक हो केवल माप व तोल की मीट्रिक प्रणाली से सम्बद्ध प्रश्न दिये जाएंगे।

5. प्रश्न-पत्र लगभग इंटरमीडिएट स्तर के होंगे।

6. उम्मीदवार उत्तरों को अपने ही हाथ में लिखें। उन्हें किसी भी हालत में उत्तर लिखने के लिए किसी व्यक्ति की सहायता नहीं दी जाएगी।

7. परीक्षा का पाठ्यक्रम संलग्न अनुसूची में दिया गया है।

8. आयोग परीक्षा के किसी एक विषय या सभी विषयों के लिए प्रश्नक ग्रंथ निर्धारित कर सकता है।

9. उम्मीदवार वस्तुपरक प्रश्न-पत्रों (परीक्षण पुस्तिका) का उत्तर देने के लिए कैलकुलेटरों का प्रयोग नहीं कर सकते। अतः वे उन्हें परीक्षा कक्ष में न लाएं।

#### अनुसूची

अंग्रेजी (कोड सं० 01) — प्रश्न इस प्रकार के होंगे जिनसे उम्मीदवार की समझ और भाषा पर अधिकार का पता लग सके।

#### सामान्य ज्ञान (कोड सं० 02)

इस प्रश्न-पत्र का उद्देश्य उम्मीदवार को अपने चारों ओर के वातावरण और सामाजिक व्यवस्थाओं की सामान्य जानकारी का परीक्षण करना है। प्रश्न के उत्तरों का स्तर उच्च स्तर का होगा जैसा कि 12वीं कक्षा या समकक्ष स्तर के विद्यार्थियों का होता है।

#### व्यक्ति और उसका परिवेश

जीवन का विकास पौष्टिक और पशु, वंशाणुगत और परिवेश आनुवंशिकी प्रकोष्ठ जीवोन्मीय जीवन।

मानव शरीर की जानकारी—पोषाहार, संतुलित भोजन, प्रतिरक्षाधीनता, महामारियों और सामान्य रोगों की रोकथाम, गठित लोक स्वास्थ्य और स्वच्छता। वातावरणीय प्रदूषण और उसकी रोकथाम, खाने, अपशिष्ट, खाने और उनसे निमित्त उत्पादों की सही प्रकार से स्टोर करना तथा परीक्षण। जनसंख्या विस्फोट, जनसंख्या नियंत्रण, खाद्य और कच्चे सामान का उत्पादन। पशुओं तथा पौधों का संग्रहित, कृत्रिम गर्भाधान, आदि और उर्वरक, फसल रक्षण उपाय, अधिकतम किस्में और हरित क्रांति, भारत के मुख्य प्रजाति और नदी फसल।

सौर परिवार और पृथ्वी। शत्रुएं, जलवायु, मौसम। भूमि—इसकी रचना और अपरदन। वन तथा उनके उपयोग। प्राकृतिक संकट (चक्रवात, सूफान, बाढ़, भूकम्प, ज्वालामुखी उद्गार)। पर्वत और नदियाँ और भारत में सिंचाई के लिए उनका योगदान। भारत में प्राकृतिक साधनों और उद्योगों का वितरण तथा गठित भूगर्भ विज्ञानों की खोज। भारत के वनस्पति जात और प्राणिजात के विविध संदर्भ के साथ प्राकृतिक साधन।

#### भारत का इतिहास, राजनीति और समाज

वैदिक, महावीर, बुद्ध, मौर्य, गुप्त, आंध्र कुशान, गुप्त काल (मौर्य कालीन स्वतंत्र, स्तूप कला, गुप्त मथुरा और गुप्त विद्यालय मंदिर वास्तुकला, अजंता और एलोरा)।

इस्लाम के आने के साथ नई शक्तियों की उत्पत्ति और व्यापक संबंधों की स्थापना। सामंतवाद से पूंजीवाद में स्थानान्तरण। यूरोपीय संबंधों की शुरुआत। भारत में ब्रिटिश शासन की स्थापना। राष्ट्रीयवाद और स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम।

भारत का संविधान और इसकी महत्वपूर्ण विशेषताएं—लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, समाजवाद, समानता के प्रचलन और सरकार की संसदीय 2—411GI/85

प्रणाली प्रमुख राजनीतिक विचारधाराएं—लोकतंत्र, समाजवाद, साम्यवाद और अहिंसा के गांधीवाद विचार। भारतीय राजनीतिक दल, प्रभावशाली गुट, लोकमत और प्रेम, चुनाव प्रणाली।

भारत की विदेशी नीति और गुट विरोधिता—गुट निर्माण होश, शक्ति संतुलन। विश्व संगठन—राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक पिछले दो वर्षों के दौरान भारत और विदेश में घटित प्रमुख घटनाएं (खेजकूद और सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित)।

भारतीय सामाजिक संरचना की मुख्य विशेषताएं—जाति व्यवस्था में हाल में हुए परिवर्तनों और दृष्टिकोण अल्पसंख्यक सामाजिक संस्थाएं—विवाह, परिवार, धर्म और संस्कृति संरक्षण।

श्रम विभाजन, महाशक्ति, टकराव और प्रतिस्पर्धा, सामाजिक नियंत्रण, पुरस्कार और मजदूरी, कला, कानून, रीतिरिवाज, गलत प्रचार, लोकमत, सामाजिक नियंत्रण की एजेंसियां—परिवार धर्म राज्य शैक्षिक संस्थाएं, सामाजिक परिवर्तन के कारण आर्थिक, प्रौद्योगिकीय, जनसांख्यिकीय सांस्कृतिक शक्ति की संरचना।

#### भारत में सामाजिक विकास

जातिवाद, साम्प्रदायिकता, जनजीवन में भ्रष्टाचार, युवाक प्रशासित, पीछे भागना, श्रमिक अपराधवृत्त और अपराध, गरीबी और बेरोजगारी।

सामाजिक योजना और भारतीय सामुदायिक विकास का कल्याण और श्रमकल्याण; अनुसूचित जातियों और पिछड़े वर्गों का कल्याण।

घन कगधान, मूल्य, जनसांख्यिकीय, दृष्टिकोण, राष्ट्रीय आय, आर्थिक विकास, निजी और लोक क्षेत्र, योजना में आर्थिक और गैर आर्थिक कारण, संतुलित बनाम असंतुलित विकास, ग्रामीण बनाम औद्योगिक विकास स्थिति और साधन जुटाने के संबंध में मूल्य स्थिरीकरण समस्याएं, भारत की पंचवर्षीय योजनाएं।

#### भौतिकी (कोड सं० 03)

बर्नियर, स्प्रिंग, स्प्रिंगोमीटर और आर्टीकल लीवर का प्रयोग करते हुए लम्बाई की माप।

समय और द्रव्यमान का माप।

सरल रेखिक गति और विस्थापन, वेग और त्वरण के बीच सम्बन्ध।

न्यूटन के गति के नियम: संवेग, आवेग, कार्य, ऊर्जा और शक्ति।

#### घर्षण गुणक

बल क्रिया के अंतर्गत पिंडों का संतुलन। बल का आपूर्ण: गुणवत्त न्यूटन का गुरुत्वाकर्षण सिद्धांत। पलायन वेग। गुरुत्व के कारण त्वरण।

द्रव्यमान तथा भार। गुरुत्वकेंद्र। एकसमान चक्रीय गति अभिकेंद्र बल। सरल आवर्त गति। सरल लोलक।

द्रव में दबाव और इसकी विशिष्ट गहराई। वास्तव का नियम। आर्क मिश्रण का सिद्धांत। तैलन वाले पिंड। परिवर्तन दबाव और इसकी माप।

तापमान और इसकी माप। तापीय प्रसार। गैस नियम और परम ताप। विशिष्ट ऊष्मा। गुप्त ऊष्मा और उसकी माप। गैसों की विशिष्ट ऊष्मा। ऊष्मा का यांत्रिक समकक्ष आंतरिक ऊर्जा और ऊष्मागतिकी का पहला नियम। समतापी और रुद्धोष्म परिवर्तन।

ऊष्मा संचरण: तापीय चालकता।

तरंग गति अतर्दृश्य और अनुप्रत्य तरंगें। प्रणामी और अप्रणामी तरंगें। गैस में ध्वनि का वेग और विविध कारणों पर निर्भरता। अनुनाद परिघटना (वायु स्तम्भ और रज्जु)।

प्रकाश का परिवर्तन और आवर्तन। एक दर्शकों और नैसर्गिक द्वारा बिम्ब रचना। गुरुत्वदर्शी और दूरदर्शी (दृष्टि दोष)।

प्रिज्म:—विखंडन और प्रकीर्णन। न्यूनतम विचलन। दृश्य स्पेक्ट्रम।

छाड़ चुम्बक का क्षेत्र। चुम्बकीय साधन। शु. चुम्बकीय क्षेत्र के तरंग चुम्बकत्वमाप। धार, पैरा और फेरी चम्बकत्व।

विद्युत चार्ज, विद्युत क्षेत्र और विभव : कोलम्ब नियम ।

विद्युत धारा:—विद्युत सल, ई० एम० एस० प्रतिरोध एमीटर और वोल्ट-मीटर । ओह्म का नियम : श्रेणी और समान्तर में प्रतिरोध, विशिष्ट प्रतिरोध और चालकता आ का तापन प्रभाव ।

व्हीस्टोन ब्रुज, विभवमापी ।

धारा का चुम्बकीय प्रभाव : सीध तार कुंडली और सोलिनॉयड:—विद्युत-चुम्बक; विद्युत घंटी ।

चुम्बकीय क्षेत्र में चालक वाली धारा पर बल; बल कुंडली—धारामापी, एमीटर या वोल्टमीटर ; परिवर्तन ।

धारा के रासायनिक प्रभाव : प्राथमिक और स्टोरेज सेल में उनकी क्रियाविधि विद्युत अपघटन के नियम ।

विद्युतचुम्बकीय प्रेरणा, सरल ए० सी० तथा डी० सी० जनित्र । ट्रान्सफार्मर, अपघटन, कुंडली ।

कैथोड किरण, एलेक्ट्रान की खोज, परमाणु का बोहर मॉडल । डायोड और परिशोधक के रूप में इसके उपयोग ।

ऐक्स किरणों का उत्पादन, गुण और उपयोग ।

रेडियोधर्मिता:—ऐल्फा, बीटा और गामा किरणें ।

नाभिकीय ऊर्जा, विखंडन और संलयन : द्रव्यमान का ऊर्जा में परिवर्तन श्रृंखला अभिक्रिया ।

रसायन विज्ञान (कोड सं० 04)

भौतिकी रसायन विज्ञान

1. परमाणु संरचना, संक्षेप में पूर्ण मॉडल । विविध मॉडल के रूप में परमाणु । कक्षा परिसंकेतन । क्वांटम, संख्या और उनकी विशेषता; केवल प्रारम्भिक । अभिक्रिया । पाली का अपवर्जन सिद्धांत । इलेक्ट्रॉनिक विन्यास । प्रकृति सिद्धांत ए० पी० डी० और एफ, ब्लाक तत्व ।

आयती यशोरकरण—केवल दीर्घ रूप । आयस और इलेक्ट्रानिक विन्यास परमाणु अनुगत । आवर्तक और युग्मों में विद्युत नकारात्मकता ।

2. रासायनिक आबन्धन, इलेक्ट्रॉन, कोबलेट, कोडिनेट, की ब्लैंट बंधन । जा० तथा एक्स । बंधनों के बंधन गुण, जल, हाईड्रोजन, सलफाइड, मिथेन और अमोनियम क्लोराइड जैसे सरल अणुओं के आकार । मोलेक्यूलर संबंध और हाइड्रोजन आबन्धन ।

3. रासायनिक अभिक्रिया; ऊर्जा परिवर्तन ऊष्मा उष्मोची और ऊष्मा-धोषी । अभिक्रिया । ऊष्मागतिकी के प्रथम नियम का प्रयोग । स्थिर ऊष्मा संकलन की हैस का नियम ।

4. रासायनिक संकलन और अभिक्रिया की दर । द्रव्यमान व क्रिया का नियम । दबाव के प्रभाव । तापमान और अभिक्रिया दर पर केन्द्रीयकरण (ला चेटलियर के सिद्धांत पर आधारित गणात्मक अभिक्रिया) प्राणविकता प्रथम तथा द्वितीय क्रम अभिक्रियाएं । संक्रियण का ऊर्जा परिकल्पन । अमोनिया और सल्फर ट्राइआक्साइड के निर्माण के लिए प्रयोग ।

5. विलयन : वास्तविक विलयन कोलॉइड विलियन और स्थगन । तन विलयनों के अनुसंधान गुणधर्म और विलान पदार्थों के अणु भार निर्धारण करना । क्वाली बिन्दुओं का उत्पन्न । हिमांक अवसादन । अस्मेट दबाव । रास्ट का नियम (केवल अनुष्मागतिकी अभिक्रिया) ।

6. विद्युत रसायन विज्ञान:—विद्युत अपघटन । विद्युत अपघटन का कैराडे नियम । आयनी संयोजन । घुलनशीलता उत्पाद । प्रबल तथा क्षीण अपघटय । घम्ल तथा बैस (सोवल तथा ग्रीनस्टाड की परिकल्पना) पी० ए० तथा उच्च प्रतिरोधी विलयन ।

7. आक्सीकरण अपचयन:—आधुनिकी इलेक्ट्रॉनिकी परिकल्पना और और आक्सीजन अंक ।

8. प्राकृतिक और कृत्रिम विघटनात्मकता:—नाभिकीय विखंडन और संलयन । विघट नाभिक समस्थानिकों के उपयोग । प्राकृतिक रसायन विज्ञान ।

तत्वों का संक्षिप्त अभिक्रिया और उनके भौतिकीय महत्वपूर्ण मिश्रण ।

1. हाइड्रोजन : अवत तालिका में स्थिति हाइड्रोजन का समस्थानिक—मणात्मक तथा घनात्मक विद्युति । जल, कठोर तथा मृद जल; उद्योगों में जल का उपयोग । भारी पानी और इसके उपयोग ।

2. ग्रुप I तत्व । सोडियम हाइड्रोजेनसाइड का विनिर्माण । सोडियम कार्बोनेट । सोडियम बाइकार्बोनेट और सोडियम क्लोराईड ।

3. ग्रुप II तत्व । प्राण तथा वृक्षा दृष्टा कृता । जिप्सम । प्लास्टर ऑफ पैरिस । मैग्नीशियम सल्फेट और मैग्नीशिया ।

4. ग्रुप III तत्व । बोरेक्स, एलुमिया और एलम ।

5. ग्रुप IV तत्व । कोयला, लकड़ी तथा ओस ईंधन । सिलिकेट, जोलिटिस तथा बर्द सुचाक । शीशा (प्रारम्भिक अभिक्रिया) ।

6. ग्रुप V तत्व । अमोनिया और नाइट्रिक अम्ल का विनिर्माण । शैल फास्फेट और निरापट दियासलाई ।

7. ग्रुप VI तत्व । हाइड्रोजन और आक्साइड, रांधक सल्फ्यूरिक अम्ल की उपरूपता । रांधक के आक्साइड ।

8. ग्रुप VII तत्व । क्लारिन क्लोरीन का विनिर्माण तथा उपयोग । ब्रोमीन और आयोडीन । हाइड्रोक्लोरिक अम्ल । क्लोरिंग पाउडर ।

9. ग्रुप (उत्कृष्ट गैस) हीलियम और इसके उपयोग ।

10. धातुकर्मीय संसाधन—तांबा, लोहा, एल्यूमीनियम, चांदी, सोना, बस्त तथा सीसे के विशिष्ट संदर्भ के साथ धातुओं को निकालने की सामान्य पद्धतियां । इन धातुओं की सर्वनिष्ठ मिश्रधातु; निकल मैगनीश इस्पात ।

कार्बनिक रसायन विज्ञान

1. कार्बन का टेट्रोहेड्रल स्वरूप । संस्करण और जी० ए० बंधन तथा उनकी सापेक्षिक शक्ति । कल तथा बहुबंधन । अणु का आकार । ज्योमितीय तथा प्रकाशीय समावयवता ।

2. एल्केन, एल्कीन और एल्कीन के तैयार करने के गुणधर्म और अभिक्रियाओं की सामान्य पद्धतियां । पेट्रोलियम और इसका परिष्करण ईंधन के रूप में इसके उपयोग ।

एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन:—

अणुनाव और एरोमैटिकता : बेन्जीन तथा नैप्थालीन और उसके सापेक्ष एरोमैटिक प्रतिस्थापन अभिक्रियाएं ।

3. हेलाजीन व्युत्पत्तियां; फ्लोरोफार्म, कार्बन, टेट्राक्लोराइड, क्लोरो-बेन्जीन—डी०डी०टी० और गैमैक्सेन ।

4. हाइड्रोक्सी मिश्रण—प्राथमिक और द्वितीय और तृतीयक एल्कोहल मिश्रण, एथनोल, ग्लिसरोल और फिनॉल के तैयार करने, गुणधर्म उपयोग । एलिफैटिक कार्बन अणु पर प्रतिस्थापन अभिक्रियाएं ।

5. प्रथर:—बाइथाइल ईथर ।

6. एल्कोहाइड और केटास । फार्मलडीहाइड । एसीटेलाइड । बेजेलडाहाइड, एसीटीन एस्साटाफोनीन ।

7. नाइट्रो योगिक एमीन, नाइट्रोबेन्जीन : टी०ए० टी० । एनी लान बाइजीनियम योगिक । एजोडाइड ।

8. कार्बोक्सीलिक अम्ल : फोर्मीक, एसीटिक बनजोइक और सेलि-सिलिक अम्ल, एसीटाइल सेलिसिलिक अम्ल ।

9. एस्टर : इथाइलरोसीटेट, मिथाइल सेलिसिलेट्स, इथाइल बनजार ।

10. पालीमर्स : पोलिपीन, टेजलान, पर्सपैक्स, कृत्रिम रबड़, नायलन और पोलिस्टैरतु ।

11. कार्बोहाइड्रेट्स, बसा और लिपिड्स, एमोनी अम्ल और प्रोटीन विटामिन और हार्मोन्स की संरचनात्मक अभिक्रिया ।

## गणित-1 (कोड सं० 05)

## बीज—

अंक प्रणाली—वास्तविक अंक। पूर्णांक। परिमेय और अपरिमेय तथा उनके प्रारम्भिक गुणधर्म।

प्रणाली के अंक निम्नलिखित—विभाजा, लेगोस्थित विधि। अभाज्य और संयुक्त संख्याएँ गणित तथा गुणलक्षण। गुणलक्षण प्रमेय। महत्तम समापवर्तक और लघुतम समापवर्तक। यक्ताङ्कीय एल्मोन्टियम।

लघुगुणक और उनका प्रयोग

आधारी सांक्रिया : सरल गुणनखंडन। बहुपदों का महत्तम, समापवर्तक, लघुतम समापवर्तक। द्विघाती समीकरणों का हल, इसके हल और पूर्णांक में संबंध।

आजक एल्मोन्टियम।

सूचकों के नियम, ए० पी० और जो०टी० ज्यामितीय श्रेणियों और इसका भावार्थ दशमलव भिन्न में प्रयोग।

क्रमबद्ध और संतुलन। अनात्मक पूर्णांक सूचकों के लिए द्विपद परिमेय। सन्निकटन के लिए परिमेय सूचकों के लिए द्विपद प्रमेय का प्रयोग।

युगपत यौगिक समीकरण (तीन घात संख्याओं तक) और उनके हल। एक्स 1, एक्स 2 और एक्स 3 पर बाई के विषय हुए मूल्यों के लिये द्विघाती वक्र बाई, ए० बी० क्म० सी० एक्स० 2 का संयोजन।

युगपत रैखिक असमिका (दो अज्ञान संख्याओं में) और उनका प्राक।  $2 \times 2$  मैट्रिक्स और प्रारम्भिक संक्रिया। तत्समक आब्यूह। 3 से अधिक क्रम का आब्यूह निश्चयन का विषय।

प्रारम्भिक विस्तार कलन

समकल आकृत का क्षेत्रफल। घनों पिरामिडों, लंबवृत्तीय बेलनों आयतन और घ्रातल—शंकु और गालक।

(उपर्युक्त अध्यायों से सम्बद्ध व्यावहारिक प्रश्न पूछे जायेंगे और आवश्यकतानुसार यथोचित सूत्र दिये जायेंगे।)

त्रिकोणमिति

कोण और उनकी कोटियों और रेडियन में माप। त्रिकोणमितीय अनुपात। योग के सूत्र। कोशों के अन्वर्षों और अवर्तकों के साइन को साइन और टेनजेंट। साइन की साइन और टेनजेंट का अन्वर्तता और एक। सरल ऊंचाई और दूरी के सरल प्रश्न।

त्रिकोणमितीय समीकरणों का हल।

ऊंचाई और दूरी के सरल प्रश्न।

विश्लेषिक ज्यामितीय

समतल में रेखा की समीकरण। प्रथम कोटि की सामान्य समीकरण। दो रेखाओं के बीच कोण। समान्तर और लंबीय रेखाएँ।

दो सीधी रेखाओं की काटिशियन समीकरण।

वृत्त का समीकरण। सामान्य समीकरण। वृत्त के स्पर्श और सामान्य समीकरण। दो वृत्तों के मूलाक्ष। वृत्तकूल।

परवलय दोर्ध्ववृत्त, और अतिपरवलय का मानक समीकरण। वक्र पर किसी बिन्दु पर स्पर्श और सामान्य समीकरण।

(जहाँ आयोग उचित समझेगा उम्मीदवारों को 4 स्थान तक लोण-रिचमिक तालिकाओं के प्रयोग की अनुमति दी जा सकती है)।

गणित 11 (कोड सं० 06)

कलन (अवकल और पूर्णांक)

उदाहरणों द्वारा वास्तविक फलन और उनके प्राक। संयुक्त और व्युत्क्रम फलन वास्तविक फलनों का बीजगणित। परिमेय और त्रिको-मितीय फलनों के उदाहरण और फलनफलन।

सीधा धारणा और फलन और योगस्तर का सांतव्य फलनों का उत्पत्ति और भागफल।

किसी किशु पर फलन का व्युत्पन्न। परिवर्तन की तत्क्षणिक दर के रूप में व्युत्पन्न और वक्र का ढाल।

फलनों के योग, अंतर गुणनफल और भागफल की व्युत्पत्तियाँ। संयुक्त फलनों और 11 फलनों के व्युत्क्रम की व्युत्पत्तियाँ। बहुपद फलनों, परिमेय फलनों, अपवर्तक फलनों, त्रिकोणमितीय फलनों और व्युत्क्रम त्रिकोणमितीय फलनों का व्युत्पत्तियाँ।

फलनों का प्राक और अनिविचल पूर्णांक।

सरल मामलों में प्राक को परिगणन—(सरल) प्रतिस्थापन और अंशतः समेकन।

यांत्रिकी (संविज पद्धतियों को अनुमति होगी)

स्थितिकी : बल का निरूपण बल समान्तर चतुर्भुज। बल का संयोजन और विभेदन। समदिश और विपरीत बल। आवृण बल युग्म। संतुलन के प्रतिबंधसंगामी बल और समतलीय बल (4 से अधिक नहीं)।

बल—क्रिमुज।

सरल पिण्डों का गुरुत्व केंद्र।

कार्य और शक्ति। सरल यंत्र (सीवर, घिरती, तत्व, गियर)।

गति : कण का विस्थापन गति वेग और त्वरण। सरल त्वरण के अंतर्गत, सीधी रेखा में गति। प्रक्षेपी से संबंध सरल प्रश्न। एक रस्ती से बंधे दो द्रव्यमानों की गति। ऊर्जा विनिमय।

जहाँ आयोग उचित समझेगा उम्मीदवारों को 4 स्थान तक लघु-गणक की प्रयोग की अनुमति दी जा सकती है।

मनोवैज्ञानिक परीक्षण (कोड सं० 07)—प्रश्न इस प्रकार के होंगे जिनसे उम्मीदवारों की बुनियादी जानकारी और यांत्रिक अभिरुचि का मूल्यांकन हो सके।

व्यक्तिगत परीक्षण

प्रत्येक उम्मीदवार का एक ऐसे बोर्ड द्वारा साक्षात्कार किया जाएगा जिसके सामने उम्मीदवार के शैक्षिक तथा शाखावर्द्धन दोनों प्रकार के जीवन वृत्त का अभिलेख होगा। उनसे सामान्य हित के मामलों से सम्बद्ध प्रश्न पूछे जायेंगे। उनके नेतृत्व, पहचानक और बौद्धिक उत्पुक्तता, व्यवहार कुशलता और अन्य सामाजिक गुणों, जातिगत और शारीरिक शक्ति, व्यावहारिक प्रयोग की शक्ति और चरित्र की सत्यनिष्ठा के गुणों का मूल्यांकन करने के लिए विशेष ध्यान दिया जाएगा।

## परिशिष्ट—II

यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा में नियुक्ति हेतु उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के लिए विनियम।

ये विनियम उम्मीदवारों की सुविधा और उनके अपेक्षित शारीरिक स्तर की संभाव्यता को सुनिश्चित करने के लिए प्रस्तावित किए जाते हैं। विनियमों का उद्देश्य स्वास्थ्य परीक्षाओं और उन उम्मीदवारों का मार्गदर्शन भी करना है जो विनियमों में निर्धारित न्यूनतम अपेक्षाओं को पूरा नहीं करते और जिन्हें स्वास्थ्य परीक्षाओं द्वारा योग्य घोषित नहीं किया जा सकता है। किन्तु यदि कोई उम्मीदवार इन विनियमों में दिए गए नियमों अनुसार योग्य नहीं है तो भी चिकित्सा बोर्ड को भारत सरकार को उसकी अनुशंसा करने का अधिकार होगा जिसके लिए बोर्ड स आशय के लिखित कारणों का उल्लेख करेगा कि अमुक उम्मीदवार सरकार की हानि के बिना सेवा में प्रतीत किया जा सकता है।

यह स्पष्ट रूप से समझ लेना चाहिए कि भारत सरकार को चिकित्सा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करने के बाद किसी भी उम्मीदवार को अस्वीकृत या स्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार होगा।

1. नियुक्ति के लिए स्वस्थ ठहराए जाने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवारों का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के साथ दक्षता-पूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की संभावना हो।

2. (क) भारतीय (एंग्लो इण्डियन सहित) जाति के उम्मीदवारों की आयु, ऊंचाई और छाती के घेरे के परस्पर सम्बन्ध के बारे में मेडिकल बोर्ड के ऊपर यह छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों की परीक्षा में मार्ग दर्शन के रूप में जो भी परस्पर संबंध के आंकड़े सबसे अधिक उपयुक्त समझें, व्यवहार में लायें। यदि वजन, कद और छाती के घेरे में विषमता हो तो जांच के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए और उसकी छाती का एक्स-रे लेना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही कोई बोर्ड उम्मीदवार को स्वस्थ अथवा अस्वस्थ घोषित करेगा।

(ख) किन्तु कद और छाती के घेरे के लिए कम से कम मानक निम्नलिखित है, जिस के बिना पूरा उतरने पर उम्मीदवार को स्वीकार नहीं किया जा सकता :-

	कद	छाती का घेरा (पूरा फैलाकर)	फैलाव
	सें० मी०	सें० मी०	सें० मी०
पुरुष उम्मीदवारों के लिए	152	84	5
महिला उम्मीदवारों के लिये	150	79	5

अनुसूचित जन जातियों तथा गोरखाओं, गड़वालियों, असमियों, नागा-लैण्ड के आदिवासियों आदि जैसी जातियों जिनका औसत कद स्पष्टतः ही कम होता है के उम्मीदवारों के मामले में भी निर्धारित न्यूनतम कद में छूट दी जा सकती है।

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि से मापा जाएगा :-

वह अपने जूते उतार देगा और उसे मापदण्ड (स्टैंडर्ड) से इस प्रकार सटा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव आपस में जुड़े रहें और उसका वजन सिवाय एडियों के पांवों के अंगुठों या किसी और हिस्से पर न पड़े। वह बिना अंकड़े सीधा खड़ा होगा और उसकी एडियां, पिडलियां, नितम्ब और कंधे मापदण्ड के साथ लगे होंगे। उसकी ठोड़ी नीचे रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर (बटेक्स ग्राफ दी हैंड लेबल) हारिजेंटल बार (ग्राफी छड़) के नीचे जाये। कद सेंटीमीटरों और आधे सेंटीमीटर में मापा जाएगा।

4. उम्मीदवारों की छाती मापने का तरीका इस प्रकार है :-

उसे इस भांति खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव जुड़े हों और उसकी झुजाएँ सिर के ऊपर उठी हों। फीते को छाती के गिर्द इस तरह लगाया जाएगा कि उसका ऊपरी किनारा असफल (शोल्डर ब्लैड) के निम्न कोणों (इन्फिरियर एंगिल्स) के पीछे रहे और यह फीते की छाती के गिर्द के जाने पर (आड़े सातल उसी हारिजेंटल प्लेन) में रहें। फिर झुजाओं को नीचे किया जाएगा और उन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा। किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कंधे ऊपर या पीछे की ओर न किए जाएँ ताकि फीता अपने स्थान से हट न जाए। तब उम्मीदवार को कई बार गहरी सांस लेने के लिए कहा जाएगा तथा छाती के अधिक से अधिक फैलाव पर सावधानी से ध्यान दिया जाएगा और कम से कम अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा जैसे 84, 89, 86-93, आदि। माप रिकार्ड करते समय आधे सेंटीमीटर से कम भिन्न (फ़ैरेशन) को नोट नहीं करना चाहिए।

विशेष ध्यान--अंतिम निर्णय से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती दो बार मापे जाने चाहिए।

5. उम्मीदवार का वजन किया जायेगा और यह किलोग्राम में होगा। आधा किलोग्राम या उसका अंश नोट नहीं करना चाहिए।

6. उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जायेगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा।

(i) सामान्य (जनरल)--किसी रोग या असामान्यता एबनॉर्मलिटी का पता लगाने के लिए उम्मीदवार की आंखों की सामान्य परीक्षा की जाएगी। यदि उम्मीदवार की आंखों, पलकों अथवा साथ लगी संरचनाओं (कॉन्जुग्रेट स्ट्रक्चर) का कोई ऐसा रोग हो जो उसे अब या आगे किसी समय सेवा के लिए अयोग्य बना सकता हो तो उसको अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(ii) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एक्यूटी)--दृष्टि की तीव्रता का निर्धारण करने के लिए दो तरह की जांच की जाएगी। एक दूर की नजर के लिए और दूसरी नजदीक की नजर के लिए। प्रत्येक आंख की अलग-अलग परीक्षा की जाएगी।

चश्मे के बिना आंख की नजर (नेकेड आई विजन) की कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक मामले में मेडिकल बोर्ड या अन्य मेडिकल प्राधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा क्योंकि इससे आंख की हालत के बारे में मूल-सूचना (बेसिक इन्फार्मेशन) मिल जाएगी।

उम्मीदवार की उपकरण से परीक्षा की जाएगी और उसकी दृष्टि सुतीक्ष्णता रेल बोर्ड की चिकित्सा अधिकारियों की स्थायी सलाहकार समिति द्वारा निर्धारित विधि के अनुसार की जाएगी।

विशेष ध्यान--नीचे निर्धारित के, स्तर को, जो उम्मीदवार पूरा नहीं करे उसे न्युक्ति हेतु स्वीकार नहीं किया जाएगा।

चश्मे के साथ और चश्मे के बिना दृष्टि सुतीक्ष्णता का मानक निम्नलिखित होगा :-

दूर की दृष्टि	निकट की दृष्टि	
	अच्छी आंख खराब आंख	अच्छी आंख खराब आंख
35 वर्ष से कम आयु वाले उम्मीदवारों के लिये	6/6 अथवा 6/9	6/12 अथवा 6/9
		जे०/I जे०/II

टिप्पणी (1)

(क) मायोपिया (सिलेण्डर सहित) कुल 4.00 डी० जी० से अधिक नहीं होना चाहिए।

(ख) हाइपरमेट्रोपिया (सिलेण्डर सहित) कुल +4.00 डी० से अधिक नहीं होना चाहिए।

(ग) मायोपिया फंडस के प्रत्येक मामले में परीक्षा की जानी चाहिए, और उसका परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। यदि उम्मीदवार की ऐसी रोगात्मक दशा हो, जो कि बढ़ सकती है, और उम्मीदवार की कार्यकुशलता पर प्रभाव डाल सकती है, तो उसे अयोग्य घोषित किया जाए।

टिप्पणी (2)

कलर विजन--कलर विजन की जांच जरूरी है और समस्त उम्मीदवारों के सम्बन्ध में परिणाम सामान्य होना चाहिए। लाल संकेत, हरे संकेत और सफेद रंग की आसानी से और हिचकिचाहट के बिना पहचान कर लेना संतोषजनक कलर विजन है। कलर विजन जांच के लिए इशिताहारी की प्लेटों और एंड्रुज ग्रीन जैसी दोनों लैटन का प्रयोग होगा।

नोचें दी गई तालिका के अनुसार रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान उच्चतर (हायर) और निम्नतर (लोअर) स्तरों में होना चाहिए तो लटर्न में एपर्चर के आकार पर निर्भर होगा।

श्रेष्ठ	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का उच्चतर श्रेष्ठ	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का निम्नतर श्रेष्ठ
1. लम्प और उम्मीदवार के बीच की दूरी	16 फीट	16 फीट
2. डारक (एपर्चर) का आकार	1.3 मि० मीटर	13 मि० मीटर
3. उद्भासन काल	5 सेकण्ड	5 सेकण्ड

स्पेशल क्लॉस प्रेजेंटेशन के लिये रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का उच्चतर श्रेष्ठ आवश्यक है।

टिप्पणी (3)

दृष्टि क्षेत्र (फील्ड ऑफ विजन)---सभी सेवाओं के लिए सम्मुखन विधि (कान्फ्रंटेशन मैथड) द्वारा युनिट-दृष्टि क्षेत्र की जांच की जाएगी। जब ऐसी जांच का नतीजा असंतोषजनक या संदिग्ध हो जब दृष्टि क्षेत्र की परिमापी (पैरामीटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

टिप्पणी (4)

रतोंधी (नाईट ब्लाइण्डनेस)---केवल विशेष मामलों को छोड़कर रतोंधी की जांच नेमी रूप से जरूरी नहीं है। रतोंधी में दिखाई न देने के जांच करने के बाद कोई स्टैण्डर्ड टेस्ट निश्चित नहीं है। मेडिकल बोर्ड को ही ऐसे काम जलाऊ स्टैण्डर्ड कर लेने चाहिए जैसे रोशनी कम करके या उम्मीदवार को धंधेरे कमरे में लाकर 20 से 30 मिनट के बाद उससे विविध चीजों की पहचान कराया कर दृष्टि तीक्ष्णता रिकार्ड करना। उम्मीदवारों के कहने पर ही हमेशा विश्वास नहीं करना चाहिए किन्तु उन पर उचित विचार किया जाना चाहिए।

टिप्पणी (5)

दृष्टि से तीक्ष्णता से भिन्न आंख की दशा (आइगुलर कंडीशन्स)

- आंख की अंगसंबंधी बीमारी को या धड़ती हुई भ्रमर्तन लुटी (रिमिबिटव एरर), जिसके परिणामस्वरूप दृष्टि की तीक्ष्णता के कम होने की संभावना हो, भयोग्यता के कारण समझा जाना चाहिए।
- भंगापन---जहां दोनों आंखों की दृष्टि का होना जरूरी है भंगापन भयोग्यता माना जाएगा बाहे दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की ही क्यों न हो।
- एक आंख वाला व्यक्ति---एक आंख वाला व्यक्ति नियुक्ति के लिए पास नहीं होगा।

टिप्पणी (6)

कान्टैक्ट लेंस---बकिंसा परीक्षा के दौरान उम्मीदवार को कान्टैक्ट लेंस का प्रयोग करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। यह आवश्यक है कि आंख का परीक्षण करते समय दूर की दृष्टि के लिए टार्गेट प्रक्षेपों की प्रदीप्ति 15 फुट कैंडिल को प्रदीप्ति जैसी हो। विशेष परिस्थितियों में किसी उम्मीदवार के संबंध में किसी भी शर्त की शिथिल करने की छूट सरकार को है।

7. रक्त दाब (ब्लड प्रेशर)

ब्लड प्रेशर के सम्बन्ध में बोर्ड अपने निर्णय से काम लेगा। नार्मल वैज्यम सिस्टोलिक प्रेशर के आकसन की काम जलाऊ विधि निम्न-लिखित प्रकार है:---

- 15 से 25 वर्ष के युवा व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100+मायु होता है।

- (2) 25 वर्ष से ऊपर की आयु वाले व्यक्ति में ब्लड प्रेशर के आकसन में 110+मायु का सामान्य नियम बिक्रुल संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

विशेष ध्यान---सामान्य नियम के रूप में 140 एम० एम० के

ऊपर सिस्टोलिक प्रेशर और 90 एम० एम० के ऊपर डायस्टोलिक प्रेशर को सविन्ध मान लेना चाहिए और उम्मीदवार को भयोग्य या भोग्य ठहराने के संबंध में आगे अनिश्चय राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखें। अस्पताल में रखने की रिपोर्ट से यह पता लगाना चाहिए कि धमराहट (एक्साइटमेंट) भावि के कारण ब्लड प्रेशर बोर्डे समय रहने वाला या इसका कारण कोई कायिक (फिजिकल) बीमारी है। ऐसे सभी मामलों में हृदय का एक्परे और इलेक्ट्रो-कार्डियोग्राफी जांच और रक्त यूरिया निकाल (क्लियरेंस) की जांच की भी नमी तौर पर की जानी चाहिए। फिर भी उम्मीदवार के भोग्य होने या न होने के बारे में अन्तिम फैसला केवल मेडिकल बोर्ड ही करेगा।

ब्लड प्रेशर (रक्त दाब) लेने का तरीका

नियमत: पांरे वाले दाब मापों (मर्करी मनीटर) किस्म का उपकरण (इन्स्ट्रुमेंट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किस्म के व्यायाम या धमराहट के बाद पच्चेह मिनट तक रक्त दाब नहीं लेना चाहिए। रोपी बैठा या खड़ा हो बगलें कि वह और विशेषकर उसकी बांह शिथिल और आराम से हो। बांह थोड़ी बहुत होरिजेंटल स्थिति में रोपी के पांरवे पर हो तथा उसके कन्धे से कपड़ा उतार देना चाहिए कफ में से पूरी तरह हवा निकाल कर बीच की रबड़ भुजा के अन्दर की ओर रख कर और उसके निचले किनारे को कोहनी के मोड़ से एक या दो इंच ऊपर करके लगाया चाहिए इसके बाद कपड़े की पट्टी को फैलाकर समान रूप से लपेटना चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूल कर बाहर न निकले।

कोहनी के मोड़ पर बाहु घमनी (बैकिंगल आर्टरी) को दबा-दबा कर ढूँढा जाता है और तब इसके ऊपर बीचों बीच स्टेटेस्कॉप को हल्के से लगाया जाता है जो कफ के माथ न लगे। कफ में लगभग 200 एम० एम० एच० जी० हवा घरी रहनी है और इसके बाद इसमें धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है। हल्की क्रमिक ध्वनियां सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पांरे का कालम टिका होता है वह सिस्टोलिक प्रेशर दर्शाता है और जब हवा निकाली जाएगी तो और तेज ध्वनियां सुनाई पड़ेंगी। जिस स्तर पर ये साफ और धच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनियां हल्की बनी हुईं सी सुप्त प्रायः हो जाए वह डायस्टोलिक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काफी थोड़ी अवधि में ही ले लेना चाहिए क्योंकि कफ के लंबे समय का दबाव रोपी के लिए क्षोभकारी होता है और इससे रीबिंग गलत होता है। यदि दोबारा पड़ताल करना जरूरी है तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाए। (कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर तक ध्वनियां सुनाई पड़ती हैं, दाब गिरने पर ये गायब हो जाती हैं तथा निम्न-स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती हैं। इस "साइलेंट गेप से रीबिंग में गलती हो सकती है)।

8. परीक्षक की उपस्थिति में किए गए मूत्र की भी परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। जब मेडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूत्र में रसायनिक जांच द्वारा शक्कर का पता चले तो बोर्ड इसके सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मधुमेह (डायबिटीज) के श्रोतक चिन्ह और लक्षणों का भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार को ग्लूकोज मेह (ग्लाइकोसूरिया) के सिवाय, अपेक्षित मेडिकल फिटनेस के स्टैण्डर्ड के अनुरूप पाए तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ फिटनेस घोषित कर सकता है कि ग्लूकोज मेह भ्रमधुमेही (नान डायबेटिक) है और बोर्ड इस केस को मेडिसन के किसी ऐसे निविष्ट विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और

प्रयोगशाला की सुविधाएं हों। मेडिकल विज्ञान स्टैंडर्ड ब्लड ग्रुप टाल-रेंस टेस्ट समेत जो भी क्लिनिकल लेबोरेटरी परीक्षाएं जरूरी समझेगा, करेगा और अपनी रिपोर्ट मेडिकल बोर्ड को भेज देगा जिस पर मेडिकल बोर्ड की "फिट" "अनफिट" की प्रतिम राय आधारित होती। दूसरे भ्रमर पर उम्मीदवार के लिए बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा। अधिकांश के प्रमाण को समाप्त करने के लिए यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिनों तक अस्पताल में पूरी देखरेख में रखा जाए।

9. यदि जांच के परिणाम कोई महिला उम्मीदवार 12 हफ्ते या उससे अधिक समय की गर्भवती पाई जाती है तो उसको अस्थायी रूप से तब तक अस्वस्थ घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रसव पूरा न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड चिकित्सा व्यवसायी का स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर, प्रसूती की तारीख के 6 हफ्ते बाद आरोग्य प्रमाण-पत्र के लिए उसकी फिर से स्वास्थ्य परीक्षा की जानी चाहिए।

10 निम्नलिखित प्रतिरिक्त बातों पर ध्यान दिया जाना चाहिए :

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है और उसके कान में बीमारी का कोई चिह्न नहीं है। यदि कोई कान की खराबी हो तो उसको परीक्षा कान विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि सुने की खराबी का इलाज प्रत्यक्ष किया (आपरेशन) या हेरिंग ट्यूब के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता बशर्ते कि कान की बीमारी बहुत बुरी न हो।

चिकित्सा परीक्षा प्राधिकारी के मार्ग दर्शन के लिए इस संबंध में निम्नलिखित मार्ग संकेत जानकारी दी जाती है।

- (i) एक कान में प्रकट भ्रमर स्पेशल क्लास अप्रेंटिसेज पर्वों पर पूर्ण बहुरापन, दूसरा कान नियुक्ति के लिए अयोग्य। क्षामाध्य होगा।
- (ii) दोनों कानों में बहुरापन का प्रत्यक्ष बोध जिसमें श्रवण यंत्र (हियरिंग ऐड) द्वारा कुछ सुधार संभव हो। स्पेशल क्लास अप्रेंटिसेज पर्वों पर नियुक्ति के लिए अयोग्य।
- (iii) शिष्ट भ्रमर माजिनल टाइप के टिमपेनिक मैम्ब्रेन का छिद्र। कर्ण पटल का कोई छिद्र ठीक न हो तो अयोग्य किन्तु विषम भाव का निशान अयोग्यता का कारण नहीं माना जायेगा।
- (iv) कान के एक-और दोनों ओर मस्टाइट डेब्रि से सननामेल श्रवण। स्पेशल क्लास अप्रेंटिसेज के पर्वों के लिये अयोग्य।
- (v) बहुत रूढ़ने वाला आपरेशन किया गया/बिना आपरेशन किया गया। तकनीकी और पैर-तकनीकी पर्वों के लिये अस्थायी रूप से अयोग्य
- (vi) नासापुट की हड्डी सम्बन्धी विषमताओं (बोती डिफॉर्मिटी) सहित भ्रमर उससे रहित नाक की जीर्ण प्रदाहक प्रालम्बिक वसा।
  - (i) प्रत्येक मामले की परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लिया जायेगा।
  - (ii) यदि लगभग सहित नासापुट प्रसरण विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य।
- (vii) टॉसिलस और/अथवा स्वरयंत्र (लरिक्स) की जीर्ण प्रदाहक वसा।
  - (i) टॉसिलस और/अथवा स्वरयंत्र की जीर्ण प्रदाहक दशा-योग्य।
  - (ii) यदि धाराज में अत्यधिक कर्कशता विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य।

- (viii) कान/नाक/गले (ई० एन० टी०) के हल्के भ्रमर अपने स्थान पर दुबमट्युमर।
  - (i) हल्का ट्युमर—अस्थायी/स्थायी रूप से अयोग्य
  - (ii) बुरा ट्युमर अयोग्य श्रवण यंत्र की सहायता से या आपरेशन के बाद 30 बेसी बेल श्रवणता के भन्दर होने पर योग्य।
- (ix) प्रास्टोफिलरोसिस स्पेशल क्लास अप्रेंटिसेज के लिये अयोग्य।
- (x) कान, नाक अथवा गले के
  - (i) यदि काम-काज में बाधक न हो तो योग्य।
  - (ii) भारी मात्रा में हकलाहट हो तो अयोग्य।
- (xi) नेजल बोली अस्थायी रूप से अयोग्य।

(ब) उम्मीदवार बोलने में हकलाता/हकलाती नहीं हो।

(ग) उसके दांत अच्छी हालत में हैं या नहीं और अच्छी तरह चबाने के लिए जरूरी होने पर नकली दांत लगे हैं या नहीं। (अच्छी तरह चरे हुए दांतों को ठीक समझा जाएगा।)

(घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नहीं और छाती काफी फीसती है या नहीं तथा उसका दिल या फेफड़े ठीक हैं या नहीं।

(ङ) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं।

(च) उसे रपचर है या नहीं।

(छ) उसे हाइड्रोसिल, बड़ी हुई बेरिकोसिल, बेरिका (शिराबेन) या बबासीर है या नहीं।

(ज) उसके अंगों हाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छी है या नहीं और उसकी ग्रन्थियां भली-भांति स्वतन्त्र रूप से हिलती हैं या नहीं।

(झ) उसे कोई चिरस्थायी त्वचा की बीमारी है या नहीं।

(झ) कोई जन्मजात कुरचना या दोष है या नहीं।

(ट) उसमें किसी उम्र या जीर्ण बीमारी से निशान है या नहीं। जिनसे कमजोर गठन का पता लगे।

(ठ) कारगर टीके के निशान हैं या नहीं।

(ड) उसे कोई संचारी (कम्युनिकेबल) रोग है या नहीं।

11. दिल और फेफड़ों की किसी ऐसी विलक्षणता का पता लगाने के लिए साधारण शारीरिक परीक्षा से ज्ञात नहीं, उक्त मामलों में नेमी रूप से छाती की एक्स-रे परीक्षा की जानी चाहिए।

जब कोई रोग मिले तो उसे प्रमाण-पत्र में अवश्य ही नोट किया जाए। मेडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख देनी चाहिए कि उम्मीदवार से अपेक्षित दक्षतापूर्ण ड्यूटी में इसे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं।

टिप्पणी—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि उक्त सेवा के लिए उनकी स्वस्थता निर्धारित करने हेतु नियुक्त चिकित्सा बोर्ड—बा, बोर्ड विशेष हो या स्थायी हो—के विषय अग्रणी करने का अधिकार नहीं है। किन्तु फिर भी यदि सरकार पहले बोर्ड के निर्णय में गलती की संभावना के विषय में प्रमाण प्रस्तुत कर दिए जाने पर संतुष्ट हो जाती है तो यह सरकार की इच्छा पर होगा कि वह दूसरे बोर्ड के सामने अग्रणी की इजाजत दे। इस प्रकार का प्रमाण जिस पत्र में उम्मीदवार को पहले चिकित्सा बोर्ड का निर्णय सूचित किया गया है उसकी तारीख से एक मास के भन्दर प्रस्तुत कर दिया जाना चाहिए, अन्यथा दूसरे चिकित्सा बोर्ड की अग्रणी करने के किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

यदि किसी उम्मीदवार द्वारा पहले बोर्ड के विनिश्चय में निणय सम्बन्धी त्रुटि की संभावना से संबंध प्रमाण के रूप में कोई चिकित्सा प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किया जाता है तो उक्त प्रमाण-पत्र पर तब तक कोई ध्यान नहीं दिया

जाएगा जब तक इसमें संबंध चिकित्सा व्यवसायी की इस प्राप्ति की टिप्पणी प्रकट न हो कि यह टिप्पणी इस तथ्य को पूरी तरह जानते हुए प्रकट की गयी है कि उक्त उम्मीदवार चिकित्सा बोर्ड द्वारा सेवा हेतु अयोग्य पाए जाने पर अस्वीकृत कर दिया गया है।

#### मेडिकल बोर्ड और उसकी रिपोर्ट

मेडिकल परीक्षक के मार्गदर्शन के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती है :—

1. शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिए प्रपनाए जाने वाले स्टैंडर्ड में संबंधित उम्मीदवार की आयु और सेवा काल (यदि हो) के लिए उचित सुझाव करना चाहिए।

2. किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिए योग्य नहीं समझा जाएगा जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अप्राइंटिंग अधिकारी) को यह तसल्ली नहीं होगी कि उसे ऐसी कोई बीमारी या शारीरिक दुर्बलता (बाडिली इन्फार्मिटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिए अयोग्य हो या उसके अयोग्य होने की संभावना है।

3. यह बात समझ लेनी चाहिए कि योग्यता का प्रश्न भविष्य से भी उत्पन्न हो सकता है जितना वर्तमान से है और मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियुक्ति के उम्मीदवार के मामले में अकाल मृत्यु होने पर समय पूर्व पेंशन या अदायगियों को रोकना है। साथ ही यह भी नोट कर लिया जाए कि जहाँ प्रश्न केवल निरन्तर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृत करने की सहाह उस हालत में नहीं दी जानी चाहिए जबकि कोई ऐसा दोष हो जो केवल बहुत कम स्थितियों में निरन्तर कारगर सेवा में बाधक पाया गया हो।

4. महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिए कि सेंटेड एन्ड मेडिकल बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोजित किया जाएगा।

5. डाक्टरों बोर्ड की रिपोर्ट को गोपनीय रखना चाहिए।

6. ऐसे मामलों में जब कि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके अस्वीकार किस्म जाने के आधार नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा उम्मीदवार को बताया जा सकता है। किन्तु डाक्टरों बोर्ड ने जो खराबी बताई उनका विस्तृत स्वीरा नहीं दिया जा सकता।

7. ऐसे मामलों में जहाँ डाक्टरों बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार को अयोग्य बनाने वाली छोटी-मोटी खराबी चिकित्सा (औषध या शल्य) द्वारा दूर हो सकती है वहाँ डाक्टरों बोर्ड द्वारा इस प्राप्ति का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए। नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सुचित किए जाने में कोई आपत्ति नहीं है और जब यह खराबी दूर हो जाए तो दूसरे डाक्टरों बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिए कहने में संबंधित प्राधिकारी स्वतन्त्र है।

#### (क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा

अपनी मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित प्रप्रेक्षित स्टेटमेंट देना चाहिए और उनके पास लगी हुई घोषणा (डिक्लेरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिए। नीचे दिए गए नोट में उल्लिखित बातों की ओर उम्मीदवार को विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए :—

1. अपना पूरा नाम लिखें :—

(साफ अक्षरों में)

2. अपनी आयु और जन्म स्थान बताएं।

3. (क) क्या आप गोरखा, गढ़वाली, असमिया, जैसी जातियों नागार्जुण जन-जाति आदि में से किसी से संबंधित हैं जिनका भ्रातृ कद दूसरों से कम होता है "हाँ" या "नहीं" में उत्तर दीजिए। उत्तर "हाँ" में हो तो उस जाति का नाम बताइए।

4. (क) क्या आपको कभी चेचक, एक-एक कर होने वाला या कोई दूसरा बुखार, ग्रंथियाँ (ग्लैंड्स) का बढ़ना या इनमें पीप बढ़ना, घूँस में खून पाना, दमा, बिल की बीमारी, केकड़े की बीमारी, मुँछों के दोरे, स्मेटिज्म, एपेंडिसाइटिस हुआ है ?

(ख) दूसरी कोई ऐसी बीमारी या दुर्घटना, जिसके कारण कच्चा पर खेंटे रहना पड़ा हो और जिसका मेडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो, हुई है ?

5. आपको चेचक का टीका आखिरी बार कब लगा था ?

6. क्या आप या आपका कोई निकट का संबंधी कभी कम्प्यूशन सीरोफला गाउट, दमा, दोरे, अपस्मा या पागलपन का शिकार हुआ है ?

7. क्या आपको अधिक काम या किसी दूसरे कारण से किसी किस्म की घसीरला (नर्वसनेस) हुई ?

8. अपने परिवार के सम्बन्ध में निम्नलिखित ब्यौरे हैं :—

यदि पिता जीवित हो तो उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय पिता की आयु और मृत्यु का कारण	आपके कितने भाई जीवित हैं, उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपके कितने भाईयों की मृत्यु हो चुकी है, मृत्यु के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण
--	---	---	--

यदि माता जीवित हो तो उसकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय माता की आयु और मृत्यु का कारण	आपकी कितनी बहनें जीवित हैं, उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपकी कितनी बहनों की मृत्यु हो चुकी है। मृत्यु के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण
--	---	---	---

9. क्या इसके पहले किसी मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है ?

10. यदि ऊपर के प्रश्न का उत्तर "हाँ" में हो तो बताइए किस सेवा/किन सेवाओं के लिए आपकी परीक्षा की है ?

11. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था ?

12. कब और कहाँ मेडिकल बोर्ड हुआ ?

13. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो प्रथम आपका मासूम हो—

में घोषित करता हूँ कि जहाँ तक मेरा विश्वास है, ऊपर दिए गए सभी जवाब सही और ठीक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर—

मेरे सामने हस्ताक्षर किए—

बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर—

नोट—उपयुक्त कथन की यथार्थता के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होगा। जानबूझकर किसी सूचना को छिपाने से वह नियुक्ति से बँटने का जोखिम लेता और यदि वह नियुक्त हो भी जाए तो बाध्यत्व निवृत्ति भत्ता (सुपरएनुएशन ग्राजुअन्स) या उपदान (पेंशन्टी) के सभी दावों से हाथ बँटेंगे।

(ख) (उम्मीदवार का नाम) की शारीरिक परीक्षा करने पर मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

1. सामान्य विकास : अच्छा .....  
बीच का ..... कम .....  
पोषण : पतला ..... (घोटल) .....

मोटा ..... वाद (जूते उतारकर) .....  
 बजान ..... प्रत्युत्तम बजान ..... कब या ? ..  
 बजान में कोई हाल ही में हुआ परिवर्तन .....  
 तापमान .....  
 छाती का बेर .....

- (1) पूरा सांस धींचने पर .....
- (2) पूरा सांस निकालने पर .....

2. रक्ता—कोई जाहिरा बीमारी ।

3. नेत्र :

- (1) कोई बीमारी .....
- (2) रसोधी .....
- (3) कलर विजन व दोष .....
- (4) दृष्टि क्षेत्र (फील्ड ऑफ विजन) .....
- (5) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एक्वीटी) .....
- (6) फण्डस की जाँच .....

दृष्टि की तीक्ष्णता	चश्मे के बिना	चश्मे से	चश्मे की पावर स्पी० मिलिएससल
दूर की मजर	दा० ने० बा० ने०		
नाज़ की मजर	दा० ने० बा० ने०		
क़ाईपर मेट्रोपिया (अवकाश)	दा० ने० बा० ने०		

4. कान : निरीक्षण ..... सुनना  
 ..... दायाँ कान  
 बायाँ .....

5. श्रवणियाँ ..... पाहराईव .....

6. दाँतों की हासत .....

7. स्वयं तब (रेफ़्लेक्सेटरी सिस्टम) — क्या शारीरिक परीक्षा करने पर शरीर के अर्थ में किसी प्रकार का परिवर्तन होगा ?  
 यदि पता लगा है तो पूरा ब्योरा दें .....

8. परिमंचरण तंत्र (सबर्थुसेटरी सिस्टम)

(क) हृदय कोई प्राणिक विज्ञान सामानिक लीजन) — गति (रेड) खड़े होने पर .....

25 बार कुदाए जाने के बाद .....

कुदाए जाने के 2 मिनट बाद .....

बलाइ प्रेशर ..... सिस्टोलिक .....

डायस्टोलिक .....

9. उदर (पेट) बेरा ..... स्पर्श सहायता  
 हानिया .....

(क) दबा कर मालूम पड़ना/जिगर .....

मिल्ली ..... गुर्वे .....

ट्यूमर .....

(ख) स्कतार्श .....

भगंदर .....

10. तंत्रिका तंत्र (नर्वे सिस्टम) तंत्रिका या मानसिक अपसामान्यता का संकेत .....

11. ताल तंत्र (लोकोमोटर सिस्टम) :  
 कोई अपसामान्यता .....

12. जनन मूल तंत्र (जेनिटी यूरिनरी सिस्टम) —

हाइड्रोसील बेरिफोसील ब्रादि का कोई संकेत :

मूल परीक्षा :—

(क) कैसा दिखायी पड़ता है ?

(ख) अपेक्षित गुणत्व (स्पेसिफिक ग्रविटी)

(ग) एस्बूमैन

(घ) शक्कर

(ङ) कास्टस

(च) कोशकाएं (सेल्स)

13. छाती की स्पर्श परीक्षा की रिपोर्ट

14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे वह इस सेवा की इम्पूटी को दक्षतापूर्वक निभाने के लिए अयोग्य हो सकता है ?

नोट—महिला उम्मीदवार के मामले में, यदि यह पाया जाता है कि वह 12 सप्ताह अथवा उससे अधिक समय से गर्भिणी है तो उसे अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए, वेबे विनियम 9 ।

15. उम्मीदवार परीक्षा कर लिए जाने के बाद किन सेवाओं में कार्य के दक्ष, सतत निष्पादन हेतु सभी प्रकार से योग्य पाया गया है और किन सेवाओं के लिए यह अयोग्य पाया गया है ।

स्थान .....

तासीख .....

अध्यक्ष .....

सदस्य .....

### परिशिष्ट III

इस परीक्षा के आधार पर चुने गए स्पेशल क्लास अप्रेंटिस हेतु अप्रेंटिसशिप की शर्तें

अप्रेंटिसशिप की शर्तों का उल्लेख इंडियन रेलवे एस्टेब्लिशमेंट मैनुअल में निर्धारित करार पत्र में कर दिया जाएगा । इसका संक्षिप्त निम्न प्रकार है :—

1. स्पेशल क्लास रेलवे अप्रेंटिस के रूप में नियुक्त किए लिए प्रस्तावित उम्मीदवार को निर्धारित प्रारंभ में इस आशय का करार करना होगा कि सरकार 1 संतुष्टि के अनुरूप स्पेशल क्लास के अंतर्गत अप्रेंटिस का प्रशिक्षण पूरा करने में असफल रहने पर यांत्रिक इंजीनियरी की भारतीय रेलवे सेवा में परीक्षाधीन अधिकारी के रूप में प्रस्तावित नियुक्ति को स्वीकार न करने की स्थिति में जो धन उसे दिया गया है या सरकार द्वारा जो धन पर खर्च किया गया है, उसको लौटाने के लिए वह तथा उसका एक प्रतिभू संयुक्त रूप में तथा पृथक-पृथक रूप में बाध्य होगा सरकार को खर्च की राशि के बारे में निर्णय करने का एकमात्र अधिकार होगा ।

अप्रेंटिस की शुरु में एक चार वर्षीय प्रायोगिक तथा सैद्धांतिक प्रशिक्षण इस आशय के बाध्यक अनुबन्ध पत्र के अन्तर्गत लेना होगा कि यदि जहूरत पड़ी तो उन्हें प्रशिक्षण पूरा होने पर भारतीय रेलवे में सेवा करनी पड़ेगी । उसकी अप्रेंटिसशिप एक वर्ष बाद दूसरे वर्ष नवीं रखी जाएगी जब जिस अधिकारी के अधीन वह कार्य कर रहा है उससे संतोषजनक रिपोर्ट मिल जाती है । अप्रेंटिसशिप के दौरान यदि किसी समय वह अपने दूरिष्ठ अधिकारी को इस बारे में संतुष्ट नहीं करता है कि वह अच्छी प्रगति कर रहा है तो उसे अप्रेंटिसशिप से अलग कर दिया जाएगा ।

टिप्पणी—भारत सरकार अपनी विवक्षा पर प्रशिक्षण की अवधि तथा कोई से कोई परिवर्तन या संशोधन कर सकती है ।



2 अप्रेंटिसशिप को चार वर्ष तक उपर्युक्त प्रायोगिक तथा सिद्धांतिक प्रशिक्षण कक्षा रेलवे वर्कशॉप में दिया जाएगा। स्पेशल बलाग अप्रेंटिसों को इस अवधि के दौरान या तो काउंसिल आफ इंजीनियरिंग इन्स्टीट्यूशन एग्जामिनेशन (एनईई) का भाग—1 और भाग—2 इन्स्टीट्यूशन आफ इंजीनियर्स (इण्डिया) एग्जामिनेशन की एग्जिप्ट मेम्बरशिप का सेशन 'ए' और 'बी' अवश्य पास करना चाहिए। अप्रेंटिसों को पहले और दूसरे वर्षों के दौरान 250/- रु. प्र. मा. छात्रवृत्ति तथा तीसरे वर्ष और चौथे वर्षों के दौरान 400/- रु. प्र. मा. छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। अप्रेंटिसशिप के दौरान उम्मीदवारों को सिद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों प्रकार का प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा। इसमें कुल छः सिमेस्टर परीक्षाएँ होंगी जिनमें प्रत्येक का उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। यदि वे किसी परीक्षा में असफल रहते हैं तो उनके निष्पादन को देखते हुए उन्हें पूरक परीक्षा में बैठने और उसमें उत्तीर्ण होने या अगले निचले बैच में चले जाने की या अप्रेंटिसशिप से हट जाने को कहा जाएगा।

टिप्पणी :—सिवाय जैसा कि नीचे पैराग्राफ 4 में यथस्था है या वह अनु-धीनता असंयम या अन्य कदाचार का दोषी पाया जाता है, या कोई करार भंग कर दिया जाता है, अप्रेंटिसशिप से हटाने के लिए एक सप्ताह का नोटिस दिया जाएगा।

3. उपर्युक्त पैरा 2 में निर्दिष्ट प्रशिक्षण को चौथा वर्ष पूरा होने से पहले अप्रेंटिसों को एक सूची दी गयी परीक्षा या अप्रेंटिसशिप की अवधि के दौरान प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर योग्यता कम में तैयार की जाएगी। सफल अप्रेंटिस यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा में तीन वर्ष की परीक्षा पर नियुक्त किए जाएंगे।

टिप्पणी :—किसी भी प्रशिक्ष को श्रृंखला रत्तर की योग्यता से युक्त तभी माना जाएगा जब उसकी प्रशिक्षण की छह सिमेस्टर परीक्षाओं की अवधि में संचालित सभी परीक्षाओं में उसको कुल मिलाकर कम से कम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त हों जिनमें भारतीय रेलवे यांत्रिकों व वैद्युत इंजीनियरी संस्थान, जमालपुर के प्रशिक्षण तथा उप मुख्य यांत्रिकी इंजीनियर के प्रतिवेद्यों में प्राप्त अंक भी शामिल होंगे। यह भी जरूरी है कि छह सिमेस्टर परीक्षाओं की इस अवधि में प्रत्येक वर्ष कुल मिलाकर कम से कम 45 प्रतिशत और प्रत्येक विषय में कम से कम 40 प्रतिशत अंक प्राप्त हों।

4. असफल प्रशिक्षकों को, एक महीना पहले यह सूचना देकर कि उसकी प्रशिक्षता असफल रही, प्रशिक्षता से निवृत्त कर दिया जाएगा।

5. अप्रेंटिसशिप के चार वर्ष सफलतापूर्वक पूरे करने के बाद परिशिष्ट में नीचे पैरा 1 के पर्यंत की शर्तों के अनुसार अप्रेंटिसों को यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा में परीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा। यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा के अधिकारियों के वेतन एवं सेवा की सामान्य शर्तों के विवरण परिशिष्ट 4 में दिए गए हैं।

#### परिशिष्ट 4

यांत्रिकी इंजीनियरी का भारतीय रेलवे सेवा में वर्गीकृत विवरण

1. परीक्षा की अवधि तीन वर्ष होगी। परीक्षाओं के रूप में नियुक्ति और वेतन का आरम्भ (क) अप्रेंटिसशिप की 4 वर्ष की अवधि के समाप्त होने की तारीख से या (ख) प्रशिक्षण के पूरा करने की वास्तविक तारीख से जो भी बाद की हो, माना जाएगा।

किन्तु शर्त यह है कि उन स्पेशल बलाग अप्रेंटिसों को, जो अपने अप्रेंटिसशिप के 4 वर्ष के भीतर ए० एम० 2 आई० ई० (एनईई) के भाग 1 और 2 ई० एम० आई० (इण्डिया) के भाग ए० और बी० परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर पायेंगे तो उन्हें केवल उम्मीदारी से परीक्षाओं के पद पर नियुक्त किया जाएगा जिसमें वे इन परीक्षाओं में से किसी एक में पूर्ण रूप से सफल होंगे।

3—411GI/85

नोट :—(1) परीक्षाओं का सेवा में बनाए रखने और उनको वार्षिक वेतन वृद्धियाँ स्वीकृत करने के बारे में तब ही विचार किया जाएगा जब तक कि उनके कार्य के सम्बन्ध में वर्ष के अन्त में संतोषजनक रिपोर्ट प्राप्त न हो जाए।

(2) किसी भी और से तीन मास का नोटिस दिए जाने पर परीक्षाओं की सेवाएं समाप्त की जा सकती हैं।

2. परीक्षा के प्रथम और द्वितीय वर्षों में उनकी एक या अनेक भारतीय रेलवे केन्द्रों में प्रशिक्षण के लिए भेजा जाएगा जिसके लिए एक निर्धारित कार्यक्रम होगा और यह समय-समय पर संशोधित भी हो सकती है। परीक्षाधीन अधिकारियों को कार्य समय के बाद किसी प्राविधिक महाविद्यालयों में या इंजीनियरी विषयों पर विशिष्ट भाषण सुनने के लिए भेजा जा सकता है। प्रशिक्षण की इस दो वर्ष की अवधि में प्रशिक्षण की प्रत्येक दशा के बाद अभियंता और जिस रेलवे में परीक्षाधीन की नियुक्ति होती है, यहां के मुख्य परिचालक अधीक्षक द्वारा सम्मिलित रूप से आयोजित होगी जिसमें अर्हता प्राप्त करने के लिए 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करने होंगे।

3. परीक्षा की अवधि में उनके रेलवे कर्मचारी महाविद्यालय, बड़ौदा में एक निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा और महाविद्यालय के द्वारा आयोजित परीक्षा में उत्तीर्ण भी होना होगा। महाविद्यालय की यह परीक्षा अनिवार्य होगी और इनमें द्वारा बैठने की अनुमति सामान्यः नहीं दी जाएगी जब तक कि कुछ आपवादिक परिस्थितियाँ न हों और अधिकारियों का कार्य लेख इस प्रकार की छूट को उपयुक्त प्रमाणित न करें। परीक्षा में उत्तीर्ण न होने पर सेवा समाप्त की जा सकती है और किसी भी हालत में जब तक वे परीक्षा में उत्तीर्ण न हों उनका स्थायीकरण नहीं हो सकेगा और प्रशिक्षण और/या परीक्षा अवधि यथावश्यक बढ़ा दी जाएगी। परीक्षा की अवधि के दो वर्ष पूरा होने के पहले उनको एक विभागीय परीक्षा में भी बैठना होगा जिसमें विषय होंगे—लेखा और प्राक्कलन सामान्य और आनुवंशिक नियम, कारखाना अधिनियम, कारीगर प्रतिपूर्ति अधिनियम, श्रमिकों से काम कराने का कौशल तथा परीक्षा की अवधि में प्रत्येक अधिकारी को सौंपे गए कार्य पर कार्यों में उनकी अनुपयुक्तता। उनको इस विभागीय परीक्षा में परीक्षा के दूसरे साल के अन्दर-अन्दर उत्तीर्ण होना पड़ेगा। इस परीक्षा में उत्तीर्ण न होने पर सेवा समाप्त की जा सकती है और किसी भी हालत में उनकी वेतन-वृद्धि रुकवा दी जाती है। निवृत्त अवधि के अंदर किसी जाति या सभी विभागीय परीक्षा या परीक्षाओं में उत्तीर्ण न होने के कारण जब परीक्षा की अवधि बढ़ानी पड़ती है, उस दशा में विभागीय परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने और बढ़ाई गई परीक्षा अवधि के बाद स्थायी बनाए जाने पर पहली और उसके बाद की वेतन-वृद्धि की प्राप्ति समय-समय पर परिवर्तित नियमों और आदेशों अनुसार निर्धारित होगी। इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि परीक्षा में दूसरी बार बैठने की अनुमति निम्नानुसार नहीं दी जाती है जब तक कि कुछ आपवादिक परिस्थितियाँ न हों और संयोजन की अवधि में उम्मीदवार का कार्य लेख कुछ ऐसा न हो कि इस प्रकार की छूट उपयुक्त मालूम पड़े।

ध्यान दें : सरकार, अपने निर्णय के, किसी भी कार्य भारी पद की प्रशिक्षण अवधि और परीक्षा अवधि में परिवर्तन कर सकती है। अगर किसी मामले में प्रशिक्षण की अवधि बढ़ा दी जाती है तो तदनुसार परीक्षा की समस्त अवधि बढ़ाई जाती है।

4. परीक्षाधीन अधिकारियों को देवनागरी लिपि में हिन्दी की किसी अनुमोदित स्तर की परीक्षा में पहले से ही उत्तीर्ण हुआ होना चाहिए या परीक्षा अवधि में उत्तीर्ण होना चाहिए। यह परीक्षा शिक्षा निदेशक, दिल्ली के द्वारा यांत्रिकी द्विरी प्रयोग या केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त और कोई सनदित परीक्षा हो सकती है।

जब तक कोई परीक्षाधीन अधिकारी इस प्राप्ति का इति नहीं करता है, तब तक उसको न स्थायी किया जा सकता है और न उसकी वेतन सामयिक वेतनमान में रु० 780.00 प्रतिमास तक बढ़ाया जा सकता है। अगर इस अपेक्षा की पूर्ति नहीं कर पाता है तो उसकी सेवा समाप्त की जा सकती है। कोई छूट नहीं दी जा सकती।

5. सन् 1965 के बाद की परीक्षा के आधार पर यांत्रिक इंजीनियरी की भारतीय रेलवे सेवा में नियुक्ति किसी भी व्यक्ति को, अपेक्षित होने पर, किसी रक्षा सेवा से या भारतीय रक्षा से सम्बन्धित किसी पद पर कम से कम चार वर्ष की अवधि तक काम करना होगा। अगर कोई प्रशिक्षण हो, तो इसमें उस प्रशिक्षण की अवधि शामिल है।

परन्तु उस व्यक्ति को :—

- (क) परीक्षाधीन अधिकारी के रूप में नियुक्ति होने की तारीख से दस वर्ष समाप्त होने पर उपर्युक्त पद पर काम करने की आवश्यकता नहीं होगी।
- (ख) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु पूरी हो जाने पर पूर्वोक्त सेवा नहीं करनी पड़ेगी।

6. यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा के अधिकारी :—

- (क) पेंशन लाभ के पात्र होंगे, और
- (ख) राज्य रेलवे गैर अंशदायी भविष्य निधि में उक्त निधि के नियमों के अंतर्गत अंशदान करेंगे :—

जैसा कि उन रेलवे कर्मचारियों पर जो अपनी नियुक्ति के दिन कार्यभार ग्रहण करते हैं, लागू है।

7. परीक्षाधीन अधिकारी के रूप में सेवा शुरू करने की तारीख से वेतन शुरू हो जाएगा। उपर्युक्त पैरा 3 के अधीन वेतन-वृद्धि हेतु सेवा भी उसी दिन से गिनी जाएगी। वेतन आदि का विवरण इस परिशिष्ट के रा 10 में उल्लिखित है।

8. इन विनियमों के अधीन सर्ती हुए अधिकारी इस समय लागू नियमों के जो भारतीय रेल अधिकारियों पर लागू हैं, अनुसार छुट्टी के पात्र होंगे।

9. सामान्यतः अधिकारी पूरी सेवा के लिए, उसी रेल में लगे रहेंगे जहां उनकी पहली नियुक्ति होती है, और किसी दूसरे रेल में उन्हें स्थानांतरण का कोई अधिकार नहीं होगा किन्तु भारत सरकार को यह अधिकार है कि सेवा की परीक्षाओं को देखते हुए भारत में या बाहर किसी दूसरी रेल में परियोजना में स्थानांतरण कर सके। अपेक्षित होने

पर अधिकारियों को भारतीय रेल के स्टोर डिपार्टमेंट में सेवा करनी होगी।

10. यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा में नियुक्ति अधिकारियों की इस समय वेतन की निम्न प्रकार दरें ग्राह्य हैं :—

कनिष्ठ वेतनमान : रु० 700-40-900-रु० रो०-40-1100-50-1300

वरिष्ठ वेतनमान : रु० 1100 (छठा वर्ष या कम) 50-1600

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड :—रु० 1500-60-1800-100-2000

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (I) रु० 2250-125/2-2500

(II) रु० 2500-125/2-2750

टिप्पणी 1 : परीक्षाधीन अधिकारियों को शुरू में कनिष्ठ वेतनमान का न्यूनतम दिया जाएगा और वेतन वृद्धि के लिए उनकी सेवा कार्यारम्भ की तारीख से गिनी जाएगी। किन्तु इससे पहले कि उक्त समयमान में उनका वेतन 740.00 रु० प्र० मा० से 780.00 रु० प्र० मा० तक बढ़ाया जाएगा। उन्हें निर्धारित परीक्षा या परिक्षाएं उत्तीर्ण करनी होंगी।

टिप्पणी 2 : यदि वे प्रशिक्षण के पूर्व दो वर्षों और परीक्षा की अवधि के दौरान विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण करने में असमर्थ रहते हैं रु० 740.00 से रु० 780.00 तक वृद्धि रोक दी जाएगी जब निर्धारित अवधि के दौरान सभी विभागीय परीक्षाओं में असफल रहने के कारण प्रशिक्षण अवधि बढ़ानी पड़ी हो तब प्रशिक्षण की बढ़ी हुई अवधि की समाप्ति के पश्चात् उनके विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण कर लेने पर उनका वेतन जिस तारीख को प्रतिम परीक्षा समाप्त होती है उसके बाद की तारीख से उक्त समयमान में उस अवस्था पर नियत किया जाएगा जो वे अवस्था प्राप्त कर लेते। किन्तु उन्हें वेतन का कोई बढ़ावा नहीं दिया जाएगा। ऐसे मामलों में भविष्यगत वेतन वृद्धि की तारीख प्रभावित नहीं होगी।

11. वेतनवृद्धि केवल अनुमोदित सेवा के लिए और विभागीय नियमों के अनुसार दी जाएगी।

12. प्रशासनिक ग्रेडों में पदोन्नति संस्थीकृत स्थापना में रूढ़िवादी होने पर ही होती है और पूरी तरह नयन पर आधारित होती है। केवल दरिद्रता पदोन्नति का कोई अधिकार प्रदान नहीं करता है।

## DEPARTMENT OF ELECTRONICS

New Delhi, the 1st January 1986

### RESOLUTION

No. 23(20)/Secy(EC).—The Government of India has reviewed the Industrial Licensing & Technology Policy for manufacture of Colour T.V. Receivers and Black & White T. V. Receivers in respect of foreign participation. Towards this end, the President has been pleased to decide the following modifications which shall come into immediate effect :

1. Under the existing policy all sectors of industry were encouraged to participate in the industry. However, foreign equity companies were not permitted to manufacture Black & White and Colour T. V. Sets. It has

now been decided that foreign equity companies with foreign equity not exceeding 40% would be allowed to participate in this industry. However, these companies will be required to supply not less than 25% of their production in kit form to small scale units for five years from the date the unit goes into production.

Further it is clarified that foreign brand name would not be allowed in the manufacture and sale of Black & White and Colour T.V. Sets.

### ORDER

ORDERED that a copy of the resolution be communicated to

1. The President's Secretariat.
2. The Prime Minister's Office.
3. Cabinet Secretariat.
4. All Ministries/Departments of the Govt. of India.

5. Controller & Auditor General of India.
6. Chief Secretaries of All State Governments including Union Territories.
7. Chairman, Central Board of Excise & Customs.
8. Chief Controller of Imports & Exports.
9. Directorate General of Technical Development.
10. Science Counsellors in Indian Embassies.
11. Minister of State for Science & Technology and Electronics.
12. Chairman, Electronics Commission.
13. Secretary, Department of Electronics.
14. All Divisions/Sections of DOE.

ORDERED also that the resolution be published in the Gazette of India for general information.

B. N. BHAGWAT, Jt. Secy.

**MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT**  
(DEPTT. OF EDUCATION)

New Delhi, 11th December 1985

**RESOLUTION**

**Subj:** Advisory Committee in the Central Institute of Indian Languages, Mysore—Setting up of—

No. F. 8-14/85-DIV(L).—In partial modification of the Resolution No. F.8-14/85-DIV(L), dated the 15th Feb., 1985 published in the Gazette of India regarding the setting up of an Advisory Committee to advise and assist the Central Institute of Indian Languages, Mysore in formulating its programmes and projects, the Government of India hereby revise the composition and tenure of the Committee as under :

**COMPOSITION**

1. Minister of State for Education and Culture—*Chairperson*.

*Members*

2. Prof. V. I. Subramoniam,  
Vice-Chancellor, Tamil University,  
Tanjavur, Tamilnadu.
3. Prof. Abdul Azim,  
Professor and Chairman,  
Department of Linguistics, Aligarh Muslim University,  
Aligarh-202 001 (U.P.).
4. Prof. S. K. Das  
Department of Modern Indian Languages,  
University of Delhi, Delhi.
5. Prof. Anantaram Rawal,  
2, Sri Sadma Society,  
Navarangapura,  
Ahmedabad, Gujarat-380 009.
6. Shri N. V. Krishna Warrior,  
Chief Editor,  
Kunkumam Weekly, Thevally,  
Quilon-691 009.
7. Dr. R. K. Mohanta,  
Head of Department of Linguistics,  
Gauhati University,  
Guwahati.
8. Dr. R. K. Sharma,  
Vice-Chancellor,  
Sampoornanand Sanskrit University,  
Varanasi.

9. Dr. B. G. Misra,  
Director,  
Kendriya Hindi Sansthan  
Agra-5.

*Member Ex-officio*

10. Shri I. Veeraraghavan,  
Adviser (Education),  
Planning Commission,  
New Delhi-110001.
11. Director (Languages),  
Ministry of Human Resource Development,  
(Deptt. of Education).
12. Joint Secretary (Tribals),  
Ministry of Home Affairs.
13. Financial Adviser,  
Ministry of Human Resource Development.
14. Dr. Fahmida Begum,  
Director,  
Bureau for Promotion of Urdu.

*Member-Secretary*

15. Director,  
Central Institute of Indian Languages  
Mysore.

**TENURE :**

1. The tenure of the non-official members of the Committee shall be 3 years from the date of appointment.
2. The official members of the Committee shall continue as members so long as they hold office by virtue of which they are members of the Committee.
3. If a vacancy arises on the Committee due to resignation, death, etc., of a member, the new member appointed in that vacancy will hold office for the residue of the tenure of 3 years.

**TERMS OF REFERENCE :**

- (i) To advise the CIIL in the formulation of its plans, programmes and projects;
- (ii) To advise the CIIL in matters relating to teaching of languages, linguistic research, production of teaching material, correspondence courses, etc.;
- (iii) To review annually the academic programmes made by the CIIL.
- (iv) To lay down the priorities for various programmes to be undertaken by the CIIL; annually.
- (v) To recommend measures for faculty improvement including training in India and abroad and career advancement;
- (vi) To advise CIIL in matters relating to promotion and development of tribal and border languages; & the CIIL.
- (vii) To review the Commissioned projects undertaken by the CIIL.

**MEETING :**

The Committee shall meet not less than once a year. Meetings may however, be convened by the Chairman at any time as may be deemed necessary.

**ORDER**

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to the Director, Central Institute of Indian Languages Mannasagangotri, Mysore, All State Government and Union Territory Administrations, Prime Minister Office, New Delhi, Ministry of Parliamentary Affairs, Parliament House, New Delhi, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat Planning Commission, President's Secretariat, and All Ministries and Department of the Government of India.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

P. K. MALHOTRA,  
Asstt. Educational Adviser

## MINISTRY OF PETROLEUM &amp; NATURAL GAS

New Delhi, the 17th December 1985.

## RESOLUTION

No. 11013/1/85-Hindi.—in continuation of Ministry of Petroleum's Resolution of even number dated 10th September, 1985, the Government of India has decided to nominate Shri Ram Avtar Gupta, Editor "Sanmarg" 150-C, Chitrangan Avenue Calcutta as non-official member of Hindi Sahakar Samiti of the Ministry of Petroleum & Natural Gas.

2. Following amendments are made in the Resolution dated 10th September, 1985.

- (i) Sl. Nos. 32, 33 & 42 are deleted.
- (ii) Chairman & Managing Director, Becco Lawrie Ltd., P-54, Hyde Road Extension, Calcutta is nominated as Official member of the Samiti.

## ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to all State Governments, and Union Territory Administration Prime Minister's Office, Cabinet Secretariat Ministry of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Sectt., Rajya Sabha Sectt., Planning Commission, President's Secretariat, C&AG, AGCR and all Ministries and Depts. of the Government of India.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

T. N. RAO, Jt. Secy.

## MINISTRY OF TRANSPORT

## DEPARTMENT OF RAILWAYS

## (RAILWAY BOARD)

## RULES

New Delhi, the 18th January, 1986

No. 85/E(GR)I/1/14.—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1986 for selection of candidates for appointment as 'Special Class Apprentices' in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers, are published for general information.

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

3. The examination will be conducted by the Commission in the manner prescribed in Appendix I to these rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. A candidate must be either

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or

(e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or from Zambia, Malawi, Zaire, Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d), and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

5. (a) A candidate must have attained the age of 16 years and must not have attained the age of 20 years on 1st January, 1986, i.e. he must have been born not earlier than 2nd January, 1966, and not later than 1st January, 1970.

(b) The upper age limit prescribed above will be relaxable—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Schedule Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and has migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate or prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate or prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (vii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (viii) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof;

- (ix) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (x) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) from Vietnam as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975;
- (xi) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975;
- (xii) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;
- (xiii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda, and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;
- (xiv) up to a maximum of five years in case of ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January, 1986, and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six months from 1st January, 1986) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or (ii) on account of Physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidment.
- (xv) up to a maximum of ten years in case of ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January, 1986 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six months from 1st January, 1986) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency or (ii) on account of Physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidment; who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.
- (xvi) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973;
- (xvii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973.
- (xviii) up to a maximum of six years, if a candidate has ordinarily resided in the State of Assam during the period from the first day of January, 1980 to the fifteenth day of August, 1985.
- (xix) up to a maximum of eleven years, if a candidate belongs to a Scheduled Caste or Scheduled Tribe and has ordinarily resided in the State of Assam during the period from the first day of January, 1980 to the fifteenth day of August, 1985.

NOTE: Ex-Servicemen who have already joined Government job on the Civil side after availing of the benefits given to them as ex-serviceman for their re-employment, are not eligible to the age concession under Rule 5(b)(xiv) & 5(b)(xv) above.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

#### 6. A candidate—

- (a) must have passed in the first or second division, the Intermediate or an equivalent Examination of a University or Board approved by the Government of India with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the examination.

Graduates with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as their degree subjects may also apply, or

- (b) must have passed in the first or second division the Higher Secondary (12 years) Examination under 10+2 pattern of School Education with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the examination, or
- (c) must have passed the first year Examination under the three-year degree course of a University or the first examination of the three-year diploma course in Rural Service of the National Council for Rural Higher Education or the third year Examination for promotion to the 4th year of the four-year B.A./B.Sc. (Evening College) Course of the Madras University with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the examination provided that before joining the degree/diploma course he passed the Higher Secondary examination or the pre-University or equivalent examination in the first or second Division.

Candidates who have passed the first/second year examination under the three-year degree course in the first or second division with Mathematics and either Physics or Chemistry as subjects of the Examination may also apply provided the first/second year examination is conducted by a University; or

- (d) must have passed in the first or second division the Pre-Engineering Examination of a University; approved by the Government of India; or
- (e) must have passed in the first or second division the Pre-Professional/Pre-Technological Examination of any Indian University or a recognised Board, with

Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the Examination conducted one year after the Higher Secondary or Pre-University stage; or

- (f) must have passed the first year examination under the five-year Engineering Degree Course of a University : provided that before joining the Degree Course, he passed the Higher Secondary Examination or Pre-University or equivalent examination in the first or second division.

Candidate who have passed the first year Examination of the five-year Engineering Degree Course in the first or second division may also apply provided the first year Examination is conducted by a university; or

- (g) must have passed in the first or second division the Pre-Degree Examination of the Universities of Kerala and Calicut with Mathematics, and at least one of the subjects Physics and Chemistry as Subjects of the examination.

NOTE I.—Candidates who are not awarded any specific division by the University/Board either in the Intermediate or any other examination mentioned above will be considered educationally eligible provided their aggregate of marks falls within the range of marks for first or second division as prescribed by the University/Board concerned.

NOTE II.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at the examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination if otherwise eligible but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible and in any case not later than 25th August, 1986

NOTE III.—In exceptional cases, the Commission may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

NOTE IV.—Candidates who hold Diploma in Engineering awarded by the State Boards of Technical Education are not eligible for admission to the Special Class Railway Apprentices' Examination.

7. Candidates must pay the fee prescribed in para 5 of the Commission's Notice.

8. All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily-rated employees or those serving under Public Enterprises will be required to submit an undertaking that they have informed in writing, their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

9. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means; or
- (ii) impersonating; or
- (iii) procuring impersonation by any person; or
- (iv) making statements which are incorrect or false or which have been tampered with; or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examination; or
- (xi) violating any of the instructions issued to candidates along with their Admission Certificate permitting them to take the examination; or
- (xii) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
  - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
  - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) If he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for the Personality Test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for the Personality Test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

13. After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate; and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Service, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

14. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

15. Success in the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary that the candidate having regard to his character and antecedents, is suitable in all respects for appointment to the Railway Service.

16. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the service. A candidate who (after such physical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe) is found not to satisfy those requirements will not be appointed.

All candidates who qualify for interview on the basis of written part of the examination, are required to undergo medical examination on the next working day following the date of interview (there shall be no medical examination on Sundays and closed holidays except second Saturdays). For this purpose, the successful candidates will be required to present themselves, before the Additional Chief Medical Officer, Central Hospital, Northern Railways, Basant Lane, New Delhi at 9.00 Hrs. In case the candidates are wearing glasses, they should take with them, the latest number of glasses to the Medical Board.

No request for change in the date of medical examinations or in its venue would ordinarily be acceded to.

*The candidates should note that no request for grant of exemption from medical examination will be entertained under any circumstances.*

The candidates may also please note :

- (i) a sum of Rs. 16 (Rupees sixteen only) in cash, is required to be paid by them to the Medical Board;
- (ii) no travelling allowance will be paid for the journey performed in connection with the medical examination; and
- (iii) the fact that a candidate has been physically examined will not mean or imply that he will be considered for appointment.

THE CANDIDATES SHOULD NOTE THAT THEY WILL NOT RECEIVE ANY SEPARATE INTIMATION REGARDING MEDICAL EXAMINATION FROM THE MINISTRY OF TRANSPORT, DEPARTMENT OF RAILWAYS.

NOTE.—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government medical officer, of the standing of a Civil Surgeon before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix II to these Rules. For the disabled ex-Defence Services Personnel the standards will be relaxed consistent with the requirements of the service.

17. No person—

- (a) who entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person;

shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

18. Conditions of apprenticeship for the Special Class Apprentices selected through this examination are given in Appendix III. Brief particulars relating to the Indian Railway Service of Mechanical Engineers are also given in Appendix IV.

A. N. WANCHOO,  
Secy. Railway Board.

## APPENDIX I

(See Rule 3)

The examination shall be conducted according to the following plan.

Part I—Written examination carrying a maximum of 700 marks in the subjects as shown below.

Part II—Personality Test carrying a maximum of 200 marks (Vide Rule 12).

2. The subjects of the written examination under Part I, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject/paper shall be as follows:—

Sl. No.	Subject	Code No.	Time Allowed	Maximum marks
1.	English	01	2 Hours	100
2.	General Knowledge	02	2 Hours	100
3.	Physics	03	2 Hours	100
4.	Chemistry	04	2 Hours	100
5.	Mathematics I (Algebra, Elementary Mensuration, Trigonometry & analytic Geometry)	05	2 Hours	100
6.	Mathematics II [Calculus—Differential and Integral and Mechanics (Statics and Dynamics)]	06	2 Hours	100
7.	Psychological Test	07	1 Hour	100
Total				700

3. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES' INFORMATION MANUAL APPENDED TO COMMISSION'S NOTICE (ANNEXURE II). THE QUESTION PAPERS WILL BE SET IN ENGLISH ONLY.

4. IN THE QUESTION PAPERS, WHEREVER NECESSARY QUESTIONS INVOLVING THE METRIC SYSTEM OF WEIGHTS AND MEASURES ONLY WILL BE SET.

5. Question papers will be approximately of the Intermediate standard.

6. Candidates must write the answers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

7. The syllabus for the examination will be as shown in the attached Schedule.

8. The Commission have the discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.

9. The candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside the Examination Hall.

### SCHEDULE

**ENGLISH** (Code No. 01).—The questions will be designed to test the candidate's understanding and command of the language.

#### GENERAL KNOWLEDGE (Code No. 02)

The paper aims at testing a candidate's general awareness of the environment around him and its application to society. The standard of answers to questions should be as expected of students of standard 12 or equivalent.

##### *Man and his environment*

Evolution of life, plants and animals, heredity and environment—Genetics, cells, chromosomes, genes.

Knowledge of the human body—nutrition, balanced diet, substitute foods. Public health and sanitation including control of epidemics and common diseases. Environmental pollution and its control. Food adulteration proper storage and preservation of food grains and finished products. Population explosion, population control. Production of food and raw materials. Breeding of animals and plant, artificial insemination, manures and fertilisers, crop protection measures, high yielding varieties and green revolution, main cereal and cash crops of India.

Solar system and the earth. Seasons. Climate. Weather. Soil—its formation, erosion. Forest and their uses. Natural calamities (cyclones, floods, earthquakes, volcanic eruptions), Mountains and rivers and their role in irrigation in India. Distribution of natural resources and industries in India. Exploration of under-ground minerals including oil-conservation of natural resources with particular reference to the flora and fauna of India.

##### *History, Politics and Society in India*

Vedic, Mahavir, Buddha, Mauryan, Sunga, Andhra, Kushan. Gupta ages (Mauryan Pillars, Sanchi Caves, Sanchi, Mathura and Gandharva Schools; Temple architecture; Ajanta and Elora). The rise of new social forces with the coming of Islam, and establishment of broader contacts. Transition from feudalism to capitalism. Opening of European contacts. Establishment of British rule in India. Rise of nationalism and national struggle for freedom culminating in Independence.

Constitution of India and its characteristic features—Democracy. Secularism, Socialism, equality of opportunity and Parliamentary form of government. Major political ideologies—democracy, socialism communism and Gandhian idea of non-violence. Indian political parties, pressure groups, public opinion and the press, electoral system.

India's foreign policy and non-alignment—arms race, balance of power. World organisations—political, social economic and cultural. Important events (including sports and cultural activities) in India and abroad during the past two years.

Broad features of Indian social system : the caste system hierarchy recent changes and trends. Minority social institutions—marriage, family, religion and acculturation.

Division of labour, co-operation, conflict and competition, social control—reward and punishment, art, law, customs, propaganda, public opinion; agencies of social control—family, religion, state, educational institutions; factors of social change—economic, technological, demographic, cultural; the concept of revolution.

Social disorganisation in India—Casteism, communalism, corruption in public life, youth unrest beggary, drugs, delinquency and crime, poverty and unemployment.

Social planning and welfare in India community development and labour welfare; welfare of Scheduled Castes and backward classes.

Money taxation, price demographic trends, national income, economic growth; Private and Public Sectors; economic and non-economic factors in planning, balanced versus imbalanced growth, agricultural versus industrial development; inflation and price stabilisation problems of resource mobilisation, India's Five Year Plans.

#### **PHYSICS** (Code No. 03)

Length measurements using vernier, screw gauge, spherometer and optical lever.

Measurement of time and mass.

Straightline motion and relationships among displacement, velocity and acceleration.

Newton's laws of motion. Momentum, impulse, work energy and power.

Coefficient of friction.

Equilibrium of bodies under action of forces. Moment of a force couple, Newton's law of gravitation, Escape velocity. Acceleration due to gravity.

Mass and Weight. Centre of gravity. Uniform circular motion. Centripetal force; Simple Harmonic motion. Simple pendulum.

Pressure in a fluid and its variation with depth. Pascal's law, Principle of Archimedes. Floating bodies. Atmospheric pressure and its measurement.

Temperature and its measurement. Thermal expansion. Gas laws and absolute temperature. Specific heat, latent heat and their measurement. Specific heats of gases. Mechanical equivalent of heat. Internal energy and First law of thermodynamics. Isothermal and adiabatic changes. Transmission of heat; thermal conductivity.

Wave motion. Longitudinal and transverse waves. Progressive and stationary waves. Velocity of sound in a gas and its dependence on various factors. Resonance phenomena (air columns and strings).

Reflection and refraction of light. Image formation by curved mirrors and lenses. Microscopes and telescopes. Defects of vision.

Prisms, deviation and dispersion. Minimum deviation. Visible spectrum.

Field due to a bar magnet. Magnetic moment. Elements of Earth's magnetic field. Magnetometers. Dia, para and ferromagnetism.



Electric charge, electric field and potential; Coulomb's law.

Electric current; electric cells, e.m.f. resistance; Ammeters and voltmeters Ohm's law; resistances in series and parallel, specific resistance and conductivity. Heating effect of current.

Wheatstone's bridge. Potentiometer.

Magnetic effect of current; straight wire, coil and solenoid electromagnetic; electric bell.

Force on a current-carrying conductor in magnetic field; moving coil galvanometer; conversion to ammeter or voltmeter.

Chemical effects of current; Primary and storage cells and their functioning. Laws of electrolysis.

Electromagnetic induction; simple A.C. and D.C. generators. Transformers; Induction coil.

Cathode rays, discovery of the electron; Bohr model of the atom. Diode and its use as a rectifier.

Production, properties and uses of X-rays.

Radioactivity; Alpha, Beta and Gamma rays.

Nuclear energy, fission and fusion; conversion of mass into energy, chain reaction.

#### CHEMISTRY (Code No. 04)

##### Physical Chemistry

1. Atomic structure; Earlier models in brief. Atom as a three dimensional model. Orbital concept. Quantum numbers and their significance, only elementary treatment. Paull's Exclusion Principle. Electronic configuration. Aufbau Principle, s, p, d and f block elements.

Periodic classification, only long form. Periodicity and electronic configuration. Atomic radii, Electro-negativity in periods and groups.

2. Chemical Bonding. Electro-valent covalent. Coordinate covalent bonds. Bond Properties, sigma and Pie bonds, Shapes of simple molecules like water, hydrogen sulphide methane and ammonium chloride. Molecular association and hydrogen bonding.

3. Energy changes in a chemical reaction : Exothermic and Endothermic Reactions. Application of First Law of Thermodynamics, Hess's Law of constant heat summation.

4. Chemical Equilibria and rates of reactions. Law of Mass action. Effect of Pressure, Temperature and concentration on the rates of reaction. (Qualitative treatment based on Le Chatelier's Principle). Molecularity. First and Second order reaction. Concept of Energy of activation. Application to manufacture of Ammonia and Sulphur trioxide.

5. Solutions : True solutions, colloidal solutions and suspensions. Colligative properties of dilute solutions and determination of Molecular weights of dissolved substances. Elevation of boiling points. Depression of freezing point, osmotic Pressure. Raoult's law (Non-thermodynamic treatment only).

6. Electro-Chemistry : Solution of Electrolytes. Faraday's Laws of Electrolysis ionic equilibria, Solubility Product.

Strong and weak electrolytes. Acids and Bases (Lewis and Bronsteads concept). P.H. and Buffer solutions.

7. Oxidation—Reduction; Modern electronic concept and oxidation number.

8. Natural and Artificial Radioactivity : Nuclear Fission and Fusion. Uses of Radioactive isotopes.

##### Inorganic Chemistry

Brief treatment of Elements and their industrially important compounds :

1. Hydrogen : Position in the periodic table. Isotopes of hydrogen. Electronegative and electropositive character Water, hard and soft water, use of water in industries. Heavy water and its uses.

2. Group I Elements. Manufacture of sodium hydroxide, sodium carbonate, sodium bicarbonate and sodium chloride.

3. Group II Elements. Quick and slaked lime. Gypsum. Plaster of Paris. Magnesium sulphate and Magnesia.

4. Group III Elements. Borax, Alumina and Alum.

5. Group IV Elements, (Coal, Coke and solid Fuels, silicates, Zolitis semi-conductors). Glass (Elementary treatment).

6. Group V Elements. Manufacture of ammonia and nitric acid. Rock phosphates and safety matches.

7. Group VI Elements. Hydrogen peroxide, allotropy of sulphur, sulphuric acid. Oxides of sulphur.

8. Group VII Elements. Manufacture and uses of Fluorine chlorine. Bromine and Iodine. Hydrochloric acid. Bleaching powder.

9. Group O. (Noble gases) Helium and its uses.

10. Metallurgical Processes : General methods of extraction of metals with specific reference to copper, iron, aluminium silver, gold, zinc and lead. Common alloys of these metals : Nickel and manganese steels.

##### Organic Chemistry

1. Tetrahedral nature of carbon. Hybridisation and  $\sigma$  bonds and their relative strength. Single and multiple bonds. Shapes of molecules, Geometrical and optical isomerism.

2. General methods of preparation properties and reactions of alkanes, alkenes and alkynes. Petroleum and its refining—Its use as fuel.

Aromatic hydrocarbons : Resonance and aromaticity. Benzene and Naphthalene and their analogues. Aromatic substitution reactions.

3. Halogen derivatives : Chloroform, Carbon Tetrachloride, Chlorobenzene D.D.T. and Gammexane.

4. Hydroxy Compounds : Preparation, properties and uses of Primary Secondary and Tertiary alcohols. Methanol, Ethanol, Glycerol and Phenol. Substitution reactions at aliphatic carbon atom.

5. Ethers : Diethyl ether.

6. Aldehydes and ketones : Formaldehyde, Acetaldehyde Benzaldehyde acetone, acetophenone.

7. Nitro compounds amines : Nitrobenzene, TNT, Aniline Diazonium Compounds. Azodyes.

8. Carboxylic acid : Formic, acetic benezic and salicylic acids acetyl salicylic acid.

9. Esters : Ethylacetate, Methylo salicylates, ethyl benzoate.

10. Polymers : Polythene, Teilon, Perspex, Artificial Rubber, Nylon and polyester fibres.

11. Nonstructural treatment of Carbohydrates, Fats and lipids amino acids and proteins—Vitamins and hormones.

**MATHEMATICS I (Code No. 05)****Algebra**

Number Systems—Natural numbers, Integers, Rationals and Irrationals and their elementary properties.

Elementary Number Theory—Division algorithm Prime and Composite numbers. Multiples and factors, Factorization Theorem, H.C.F. and L.C.M. Euclidean Algorithm.

Logarithms and their use.

Basic Operations, Simple factors H.C.F., L.C.M. of polynomials. Solution of quadratic equations, relations between its roots and coefficients Division algorithm.

Laws of Indices, A.P. and G.P. Geometric series and its application—to recurring decimal fractions.

Permutation and Combinations. Binomial Theorems for positive integral index. Applications of Binomial Theorem for rational indices to approximations.

Simultaneous linear equations (upto three unknowns) and their solutions. Fitting of a quadratic curve  $y=a+bx+cx^2$  for given values of  $y$  at  $x^1, x^2$  and  $x^3$ .

Simultaneous linear equations (upto three unknowns) and their graphs  $2 \times 2$  Matrices and elementary operations. Identity matrix. Inverse of a matrix Determinants of order not exceeding 3.

**Elementary Mensuration**

Area of plane figures. Volumes and surfaces of cubes, pyramids right circular cylinders; cones and spheres.

(Practical problems involving the above topics will be asked and appropriate formulae supplied, if necessary.)

**Trigonometry**

Angles and their measures in grades and radians. Trigonometrical ratios.

Addition formulae. Sine, Cosine and tangent of multiples and sub-multiples of angles. Periodicity and graphs of sine, cosine, and tangent. Solution of simple Trigonometric equations.

Simple cases of heights and distances.

**Analytic Geometry**

Equation of a line in a plane. General equation of first degree Angle between two lines, Parallel and perpendicular lines.

Cartesian equation of a pair of straight lines.

Equation of a circle. General equation. Equation of tangent and normal to a circle. Radical axis of two circles. Family of circles.

Standard equations of parabola, ellipse and hyperbola. Equations of tangent and normals at a point on the curve.

(Candidates may be allowed the use of 4-place logarithmic tables where considered necessary by the Commission.)

**MATHEMATICS II (Code No. 06).****Calculus (Differential and Integral)**

Real functions through examples, their graphs. Composite and inverse functions. Algebra of real functions. Examples of rational and trigonometric functions and step function.

The notions of limit and continuity of a function and of sum difference, product and quotient of functions.

Derivative of a function at a point. Derivative as instantaneous rate of change and as slope of a curve.

Derivative of sum difference, product and quotient of functions. Derivatives of composite functions and of inverse of 1—1 functions Derivatives of polynomial functions, rational functions, irrational functions, trigonometric functions and inverse trigonometric functions.

Primitives of functions and indefinite integrals.

Calculation of primitives in simple cases—integration by (simple) substitution and by parts.

*Mechanics (Vector methods would be permissible)*

Statics : Representation of a force, parallelogram of forces. Compositions and resolution of forces. Like and unlike parallel forces. Moments, couples. Conditions of equilibrium—Concurrent forces and coplanar forces (not exceeding 4).

Triangle of forces.

Centre of gravity of simple bodies.

Work and power. Simple machines (lever, system of pulleys, gear).

Dynamics : Displacement, speed, velocity and acceleration of a particle. Motion in a straight line under constant acceleration. Simple problems on projectiles. Motion of two masses connected by a string. Conservation of energy.

(Candidate may be allowed the use of 4-place logarithmic tables where considered necessary by the Commission.)

**PSYCHOLOGICAL TEST (Code No. 07)**

The questions will be designed to assess the basic intelligence and mechanical aptitude of the candidates.

**PERSONALITY TEST**

Each candidate will be interviewed by a Board who will have before them a record of his career both academic and extramural. They will be asked questions on matters of general interest. Special attention will be paid to assessing their potential qualities of leadership, initiative and intellectual curiosity, tact and other social qualities, mental and physical energy, power of practical application and integrity of character.

**APPENDIX II****REGULATIONS FOR THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES FOR APPOINTMENT TO THE INDIAN RAILWAY SERVICE OF MECHANICAL ENGINEERS**

[These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming up to required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy the minimum requirements prescribed in the regulations cannot be declared fit by the medical examiners. However, while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations it would be permissible for a Medical Board to recommend to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government.]

It should, however, be clearly understood that the Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board.]

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. (a) In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race, it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height weight and chest girth the candidate should be hospitalised for investigation and X-Ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

(b) However, the minimum standards for height and chest girth, without which candidates cannot be accepted, are as follows :

	Height	Chest girth fully expanded	Expansion
Male candidates	152 Cm.	84 Cm.	5 Cm.
Female candidates	150 Cm.	79 Cm.	5 Cm.

The minimum height prescribed is relaxable in case of candidates belonging to Scheduled Tribes and to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Nagaland Tribals, etc. whose average height is distinctly lower.

3. The candidate's height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect, with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the interior angles of the shoulder blades behind and lies in same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted, and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres, thus 84—89, 86—93, etc. In recording the measurements, fractions of less than  $\frac{1}{2}$  centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighed and his weight recorded in kilograms, fraction of half a kilogram should not be noted.

6. The candidate's eye sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded.

(i) *General*.—The candidate's eyes will be submitted to a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffers from any squint or morbid conditions of eyes, eye lids or contiguous structures of such a sort as to render or are likely at a future date to render him unfit for service.

(ii) *Visual Acuity*.—The examination for determining the acuteness of vision includes two tests one for distant, the other for near vision. Each eye will be examined separately.

There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall, however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case, as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

The candidate will be examined with the apparatus and according to the method prescribed by the Railway Board's Standing Advisory Committee of Medical Officers, to determine his acuity of vision.

N.B.—No candidate will be accepted for appointment whose standard of vision does not come up to requirement specified below :—

The standard of visual acuity with or without glasses should be as follows :—

	Distant Vision		Near Vision	
	Better Eye	Worse Eye	Better Eye	Worse Eye
For candidates below 35 years of age	6/6 or 6/9	6/12 or 6/9	J-I.	J-II

NOTE : (1)

(a) Total Myopia (including the cylinder) shall not exceed —4.00D.

(b) Total Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed +4.00D.

(c) In every case of myopia, fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of any pathological conditions being present which is likely to be progressive and effect the efficiency of the candidate, he shall be declared unfit.

NOTE : (2)

*Colour Vision :*

The testing of colour vision is compulsory and the result should be normal in respect of all candidates. Satisfactory colour vision constitutes recognition of signal red, green and white colours with ease and without hesitation. Both the Ishihara's plates and Edridge's Green lantern shall be used for testing colour vision.

Colour perception should be graded into higher and lower grade depending upon the size of the aperture in the lantern as described below :—

Grade	Higher Grade of Colour perception	Lower Grade of Colour perception
1. Distance between the lamp and the candidate . . .	16'	16'
2. Size of the aperture . . .	1.3 mm	13 mm
3. Time of exposure . . .	5 Seconds	5 Seconds

Higher grade of colour perception is essential for Special Class Apprentices.

**NOTE : (3)**

The field of vision shall be tested in respect of all Services by the confrontation method. Where such test gives unsatisfactory or doubtful results the field of vision should be determined on the perimeter.

**NOTE : (4)**

**Night Blindness :**

Night blindness need not be tested as a routine, but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness or dark adaption is prescribed. The Medical Board should be given the discretion to improvise such rough tests e.g. recording of visual acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he has been there for 20 to 30 minutes. Candidate's own statements should not always be relied upon, but they should be given due consideration.

**NOTE : (5)**

**Ocular conditions other than visual acuity :**

- Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered as a disqualification.
- Squint.**—The presence of binocular vision is essential Squint even if the visual acuity is of the prescribed standard, should be considered as a disqualification.
- One eyed person.**—One eyed persons will not be eligible for appointment.

**NOTE : (6)**

**Contact Lenses :**

During the medical examination of a candidate, the use of contact lenses is not to be allowed. It is necessary that when conducting eye test, the illumination of the type letters for distant vision should have an illumination of 15 foot candles.

**NOTE : (7)**

It shall be open to Government to relax any one of the conditions in favour of any candidates for special reasons.

**7. Blood Pressure**

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure.

A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

- With young subjects 15—25 years of age the average is about 100 plus the age.

- With subjects over 25 years of age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

**N.B.**—As a general rule any systolic pressure over 140 mm and diastolic over 90 mm should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalization report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electrocardiographic examination of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

**Method of taking Blood Pressure :**

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient and particularly his arm is relaxed he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from clothes to the shoulder. The cuff completely deflated, should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level at which well-heard clear sound change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurement should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and vitiate the readings. Re-checking, if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes, as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. This Silent Gap may cause error in reading).

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the result recorded. Where a Medical Board finds Sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests, the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of the diabetes if except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required they may pass the candidate "fit subject to the glycosuria being non-diabetic" and the Board will refer the case to a specific specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical Specialists will

carry out whatever examinations, clinical and laboratory, he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test, and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital, under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over, should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement, subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed :—

- (a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case the hearing is defective, the candidate should be got examined by an Ear Specialist, provided that, if the defect is of a temporary nature, remediable by operation *but without the use of Hearing Aid*, and provided further that the candidate has no progressive disease in the ear, he can be declared fit. The following are the guidelines for the medical examination authorities in this regard :—
  - (i) Marked or total deafness in one ear, other ear being normal. Unfit for appointment as Special Class Apprentices.
  - (ii) Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid. Unfit for appointment as Special Class Apprentices.
  - (iii) Perforation of tympanic membrane of central or marginal type. Any unhealed perforation of eardrum would disqualify but evidence of healed lesion would not be a cause for disqualification.
  - (iv) Ears with mastoid cavity sub-normal hearing on one side/both sides. Unfit for appointment as Special Class Apprentices.
  - (v) Persistently discharging ear-operated/unoperated. Temporarily unfit for both technical and non-technical jobs.
  - (vi) Chronic inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal septum.
    - (i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases.
    - (ii) If debiated nasal septum is present with symptoms—Temporarily unfit.
  - (vii) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx.
    - (i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx—Fit.
    - (ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then—Temporarily unfit.

- (viii) Benign or locally malignant tumours of the E.N.T.
  - (i) Benign tumours—Temporarily unfit.
  - (ii) Malignant tumour—Unfit.
- (ix) Otosclerosis. Unfit for appointment as special Class Apprentices.
- (x) Congenital defects of ear, nose or throat.
  - (i) If not interfering with functions—Fit.
  - (ii) Stuttering of severe degree—Unfit.
- (xi) Nasal Poly. Temporarily unfit.
  - (b) that his/her speech is without impediment;
  - (c) that his/her teeth are in good order and that he/she is provided with dentures where necessary for effective mastication (well-filled teeth will be considered as sound);
  - (d) that the chest is well formed and his/her chest expansion sufficient and that his/her heart and lungs are sound;
  - (e) that there is no evidence of any abdominal disease;
  - (f) that he/she is not ruptured;
  - (g) that he/she does not suffer from hydrocele, varicose veins or piles;
  - (h) that his/her limbs, hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all his/her joints;
  - (i) that he/she does not suffer from hydrocele, varicose disease;
  - (j) that there is no congenital malformation or defect;
  - (k) that he/she does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;
  - (l) that he/she bears marks of efficient vaccination; and
  - (m) that he/she is free from communicable disease.

11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs which may not be apparent by ordinary physical examination.

When any defect is found it must be noted in the Certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

NOTE.—Candidates are warned that there is no right of appeal from a Medical Board, special or standing appointed to determine their fitness for the above Service. If, however, Government are satisfied on the evidence produced before them of the possibility of an error of judgment in the decision of the first Board, it is open to Government to allow an appeal to a second Board. Such evidence should be submitted within one month of the date of the communication in which the decision of the first Medical Board is communicated to the candidate, otherwise no request for an appeal to a second Medical Board will be considered.

If any medical certificate is produced by a candidate as a piece of evidence about the possibility of an error of judgment in the decision of the first Board, the certificate will not be taken into consideration unless it contains a note by

the medical practitioner concerned to the effect that it has been given in full knowledge of the fact that the candidate has already been rejected as unfit for service by the Medical Board.

*Medical Board and then report*

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner :

1. The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any of the candidate concerned.

2. No person will be deemed qualified for admission to the public service who shall not satisfy Government, or the appointing authority, as the case may be, that he has no disease, constitutional affection, or bodily infirmity unfitting him, or likely to unfit him for that service.

3. It should be understood that the question of fitness involves the future, as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service, and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which in only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

4. A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

5. The report of the Medical Board should be treated as confidential.

6. In cases where a candidate is declared unfit for appointment in the Government service, the grounds for rejection may be communicated by the appointing authority to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

7. In cases where a Medical Board considers that minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

**(A) Candidate's statement and declaration**

The candidate must make the statement required below prior to the Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention should be specially directed to the warning contained in the Note below :—

1. State your name in full (in block letters)

.....  
.....  
.....  
.....  
.....

2. State your age and birth place

.....  
.....

3. Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Nagaland Tribes etc. whose average height is distinctly lower? Answer 'Yes' or 'No' and if the answer is 'Yes' state the name of the race

.....

4 (a) have you ever had small pox, Intermittent or any other fever, enlargement or suppuration of glands, Spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease, fainting attacks rheumatism appendicitis

OR

(b) Any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment.

5. When were you last vaccinated ?

.....

6. Have you or any of your near relations been afflicted with consumption serofula, gout, asthma, fits, epilepsy or insanity ?

.....

7. Have you suffered from any form of nervousness due to over-work or any other cause ?

.....

8. Furnish the following particulars concerning your family :—

Father's age if living and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages at and cause of death
.....	.....	.....	.....

Mother's age if living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living, their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages at and cause of death
.....	.....	.....	.....

9. Have you been examined by a Medical Board before ?

10. If answer to the above is yes, please state what service/services you were examined for ?

11. Who was the examining authority ?

12. When and where was the Medical Board held ?

13. Result of the Medical Board's examination if communicated to you or if known.

I declare all the above answers to be to the best my belief, true and correct.

Candidates signature.....

Signed in my presence.....

Signature of Chairman of the Board

Signed in my presence.....

NOTE : The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed, of forfeiting all claims to Superannuation Allowance or Gratuity.

**(B) Report of the Medical Board on (name of candidate) physical Examination:**

1. General Development : Good.....  
Fair..... Poor.....  
Nutrition : Thin..... average.....  
obese.....  
Height (without shoes)..... Best Weight.....  
weight..... Any recent change  
When ?.....

in weight ? .....  
 Temperature .....  
 .....  
 Girth of Chest :—

(1) After full inspiration

(2) After full expiration

2. Skin. Any obvious disease

3. Eyes :

(1) Any disease

(2) Night blindness

(3) Defect in colour vision

(4) Field of vision

(5) Visual Acuity

(6) Fundus Examination

Acuity of vision	Naked with eye glasses	Strength of glasses		
		Sph.	Cyl.	Axis
Distant vision	R.E. L.E.			
Near vision	R.E. L.E.			
Hypermetropia (Manifest)	R.E. L.E.			

4. Ears :                      Inspection.....Hearing.....  
 Right Ear.....Left Ear .....

5. Glands.....Thyroid .....

6. Condition of teeth.....

7. Respiratory System : Does physical examination reveal any thing abnormal in the respiratory organs.

.....  
 .....

If yes, explain fully.....

8. Circulatory System :

(a) Heart : any organic lesions

Rate :                      Standing.....

After hopping 25 times.....

2 minutes after hopping.....

Blood pressure :

Diastolic :.....Systolic.....

9. Abdomen Girth.....Tenderness.....  
 .....Hernia .....

(a) Palpable :      Liver .....  
 Spleen .....Kidneys.....  
 Tumours.....

(b) Haemorrhoids .....Fistula.....

Nervous System : Indications of nervous or mental disabilities

11. Loco Motor System : Any Abnormality .....

12 Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele, Varicocele, etc.

Urine Analysis :

(a) Physical appearance .....

(b) Spl. Gr. ....

(c) Albumen .....

(d) Sugar .....

(e) Casts .....

(f) Cells .....

13. Report of X-ray examination of Chest.

14. Is there any thing in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the service or which he is a candidate ?

NOTE : In case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over she should be declared temporarily unfit, vide regulation 9.

15. For which services has the candidate been examined and found in all respects qualified for the efficient and continuous discharge of his duties and for which of them is he considered unfit.

Date.....

Place.....

President.....

Member.....

### APPENDIX III

#### *Conditions of Apprenticeship for Special Class Apprentices Selected through the Examination*

The terms and conditions of Apprenticeship will be as set out in the form of agreement prescribed in the Indian Railway Establishment Mannual, brief particulars of which are given below :—

1. A candidate offered appointment as a Special Class Railway Apprentice shall execute an agreement in the prescribed form binding himself and one surety jointly and severally, to refund, in the event of his failing to complete training as a Special Class Railway Apprentice or to accept the service as an officer on probation in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers, if offered to him to the satisfaction of the Government, any moneys paid to him and any other moneys expended by Government on him, the Government being the exclusive judge of the quantum of such expense.

The apprentices will be liable to undergo practical and theoretical training for 4 years in the first instance under an indenture binding them, to serve on the Indian Railways on the completion of their training, if their services are required. The continuance of apprenticeship from year to year will depend on satisfactory reports being received from the authorities under whom the apprentices may be working. If at any time during his apprenticeship, any apprentice does not satisfy the superior authorities that he is making good progress, he will be liable to be discharged from the apprenticeship.

NOTE :—The Government of India may at their discretion alter or modify the periods and courses of training.

2. The practical and theoretical training referred to above will be given in a railway workshop for four years of their apprenticeship. Special Class Apprentices must pass within this period either Parts 1 and 2 of the Council of Engineering Institutions Examination (London) or Section 'A' and 'B' of the Associate Membership of Institution of Engineers (India) Examination. The apprentices will be granted a stipend of Rs. 350 per mensem during the 1st and 2nd years and Rs. 400 per mensem during the 3rd and 4th years. During the apprenticeship, the candidates will be required to undergo both theoretical and practical training. There will be in all six Semester Examinations passing each of which is compulsory. If unsuccessful at any of these examinations they will, depending on their performance, be asked to sit for and pass in supplementary examination or reverted to the next lower batch or removed from apprenticeship.

NOTE :—Except as provided for in paragraph 4 below or in cases of discharge or dismissal due to insubordination, intemperance or other misconduct or breach of agreement, a week's notice of discharge from apprenticeship will be given.

3. Before the completion of 4th year of training referred to in paragraph 2 above, the apprentices will be listed in order of merit on the results of the examination held and the reports on the apprentices received during the period of apprenticeship. Successful apprentices will be appointed on probation for 3 years in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers.

NOTE :—An apprentice will be considered to have obtained the qualifying standard if he obtains a minimum of 50 per cent marks in the aggregate in all the examinations held during the six Semester Examination of his training including the marks of the reports of the Principal, Indian Railways Institute of Mechanical and Electrical Engineers, Jamalpur and of the Deputy Chief Mechanical Engineer, provided that in each of the six Semester Examinations he has obtained a minimum of 45 per cent marks in the aggregate and a minimum of 40 per cent marks in any one subject.

4. Unsuccessful apprentices will be discharged from their apprenticeship, one month's notice of discharge being given along with the intimation that the apprentice has been unsuccessful.

5. After successful completion of 4 years apprenticeship, the apprentices will be appointed as probationers in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers subject to the proviso below para 1 in Appendix IV. Particulars as to pay and general conditions of service for officers of Indian Railway Service of Mechanical Engineers have been given in Appendix IV.

#### APPENDIX IV

##### *Particulars Regarding the Indian Railway Service of Mechanical Engineers*

1. The period of probation will be three years. The appointment and pay as probationers will commence from (a) the date of completion of 4 years of the apprenticeship or (b) the actual date of completion of training whichever is later :

Provided however that those Special Class Apprentices who could not pass Parts I & II of AMIME (London)/Parts A & B of AMIE (India) Examination within 4 years of their apprenticeship will be deemed to have been appointed as probationers only from the date when they pass in full either of these examinations.

NOTE :—(i) The retention in service of probationers and the grant of annual increments are subject to satisfactory reports on their work being received at the end of each year of probation.

(ii) The services of a probationers may be terminated on three months notice on either side.

2. During the 1st and 2nd years of probation they will be sent to one or more of the Indian Railways for undergoing training in accordance with the Syllabus prescribed for the purpose as modified from time to time. The probationers may also be required to attend after working hours, a technical college or special lectures on Engineering subjects. They will be given an oral test at the end of each phase of training during these two years of training and at the end of the 2nd year, they will be given a written test to be conducted jointly by the Chief Mechanical Engineer and the Chief Operating Superintendent of the Railway to which they are posted, on the training received by the probationers during this period. The qualifying marks at this test will be 50 per cent.

3. During the probationary period they will have to attend a prescribed course of training in the Railway Staff College, Baroda and to qualify in the test held in the College. The test in the College is compulsory and a second chance, in the event of failure, will not be given except in exceptional circumstances and provided the record of the officers is such as to justify such relaxation being made. Failure to pass the test may involve the termination of service, and in any case the officers will not be confirmed till they pass the test their period of training and/or probation being extended as necessary. Before the end of the second year of probation, they will be required to undergo a departmental examination which will include Accounting and Estimating, General and Subsidiary Rules, Factory Act, Workmen's Compensation Act, ability to handle labour and general application to work or works on which each officer is engaged while on probation. They will be required to pass the departmental examination within the second year of the probationary period. Failure to pass the examination may result in termination of service and will, in any case, involve stoppage of increments. In case where the probationary period has to be extended for failing to pass any or all the departmental examination within the stipulated period on their passing the departmental examination and being confirmed after the expiry of extended period of probation the drawal of the first and subsequent increments will be regulated by the Rules and Orders in force from time to time. It must be noted that a second chance to pass any examination will as a rule not be given except under exceptional circumstances and only provided the other record of the candidate during the period of his training is such as to justify such relaxation being made.

NOTE.—The period of training and the period of probation against a working post may be modified at the discretion of Government. If the period of training is extended in any case due to the training not having been completed satisfactorily, the total period of probation will be correspondingly extended.

4. Probationers should have already passed or should pass during the period of probation, an examination in Hindi in the Devanagari script of an approved standard. This examination may be the "PRAVEEN" Hindi Examination which is conducted by the Directorate of Education, Delhi, or one of the equivalent Examination recognised by the Central Government.



No probationary officer can be confirmed or his pay in the time scale raised to Rs. 780.00 per month unless he fulfils this requirement; and failure to do so will involve liability to termination of service. No exemption can be granted.

5. Any person appointed to the Indian Railway Service or Mechanical Engineers shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any;

Provided that such a person

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment as probationers;
- (b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

6. Officers of the Indian Railway Service of Mechanical Engineers :—

- (a) will be eligible to pensionary benefits, and
- (b) shall subscribe to the State Railway Non-Contributory Provident Fund under the Rules of that fund;

as applicable to Railway Servants appointed on the date they join service.

7. Pay will commence from the date of joining service as a probationer. Service for increments will also count from the same date subject to paragraph above. Particulars as to pay are contained in paragraph 10 of this Appendix.

8. Officers recruited under these regulations shall be eligible for leave in accordance with the rules for the time being in force applicable to officers of Indian Railways.

9. Officers will ordinarily be employed throughout their service on the Railway to which they may be posted on first appointment and will have no claim, as a matter of right to transfer to some other Railway but the Government of India reserve the right to transfer such officers in the exigencies of service, to any other Railway or Project in or out of

India. Officers will be liable to serve in the Stores Department of Indian Railways if and when called upon to do so.

10. The following are the rates of pay at present admissible to officers appointed to Indian Railway Service of Mechanical Engineers

Junior scale Rs. : 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300/-.

Senior scale : Rs. 1,100 (6th year or under)—50—1,600

Junior Administrative Grade : (Rs. 1,500)—60—1,800—100—2,000/-

Senior Administrative Grade : (i) 2,250—125/2—2,500,  
(ii) Rs. 2,500—125/2—2,750/-.

NOTE 1.—Probationary officers will start on the minimum of the Junior scale and will count their service for increment from the date of joining. They will, however, be required to pass any departmental examination or examinations that may be prescribed before their pay can be raised from Rs. 740.00 p.m. to Rs. 780.00 p.m. in the time scale.

NOTE 2.—Increment from Rs. 740.00 to Rs. 780.00 will be stopped if they fail to pass departmental examinations within the first two years of the training and probationary period. In cases where the training period has to be extended for failure to pass all the departmental examinations within the stipulated period, on their passing the departmental examinations after expiry of the extended period of training their pay from the date following that on which the last examination ends, will be fixed at the stage, in the time scale, which they would have otherwise attained but no arrears of pay would be allowed to them. In such case the date of future increments will not be affected.

11. The increments will be given for approved service only and in accordance with the rules of the Department.

12. Promotion to the Administrative grades are dependent on the occurrence of vacancies in the sanctioned establishment and are made wholly by selection, mere seniority does not confer any claim for such promotion.

